RNI No. MAHHIN/2008/24974, Postal Regd No. MCS-206/2025-27, License to post without payment **MR/Tech/WPP-287/South/2025-27**
Post at Mumbai Patrika Channel Stg. Office, Mumbai G.P.O., Mumbai- 01. Posting Date : 14-15 Every Month, Publishing Date : 14 Every Month

आभूषण टाइम्स

वर्ष : 19 | अंक : 06 | अगस्त 2026 | मासिक | पृष्ठ : 52 | मूल्य : ₹ 50

गोल्डः दीपावली तक नई तेजी संभव

क्योंकि गोल्ड फिर बन रहा है सबसे सुरक्षित निवेश,

आइआइजेएस प्रीमियर शानदार सफल

रिकॉर्ड बिजनेस के साथ भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री का दुनिया में कद बढ़ा

सिल्वरः धैर्य की सबसे बड़ी परीक्षा

स्थिरता के दौर से नई चमक की ओर बढ़ने में वक्त लगेगा

COVER PICTURE BY:
Ansaa Jewellers (P) Ltd.

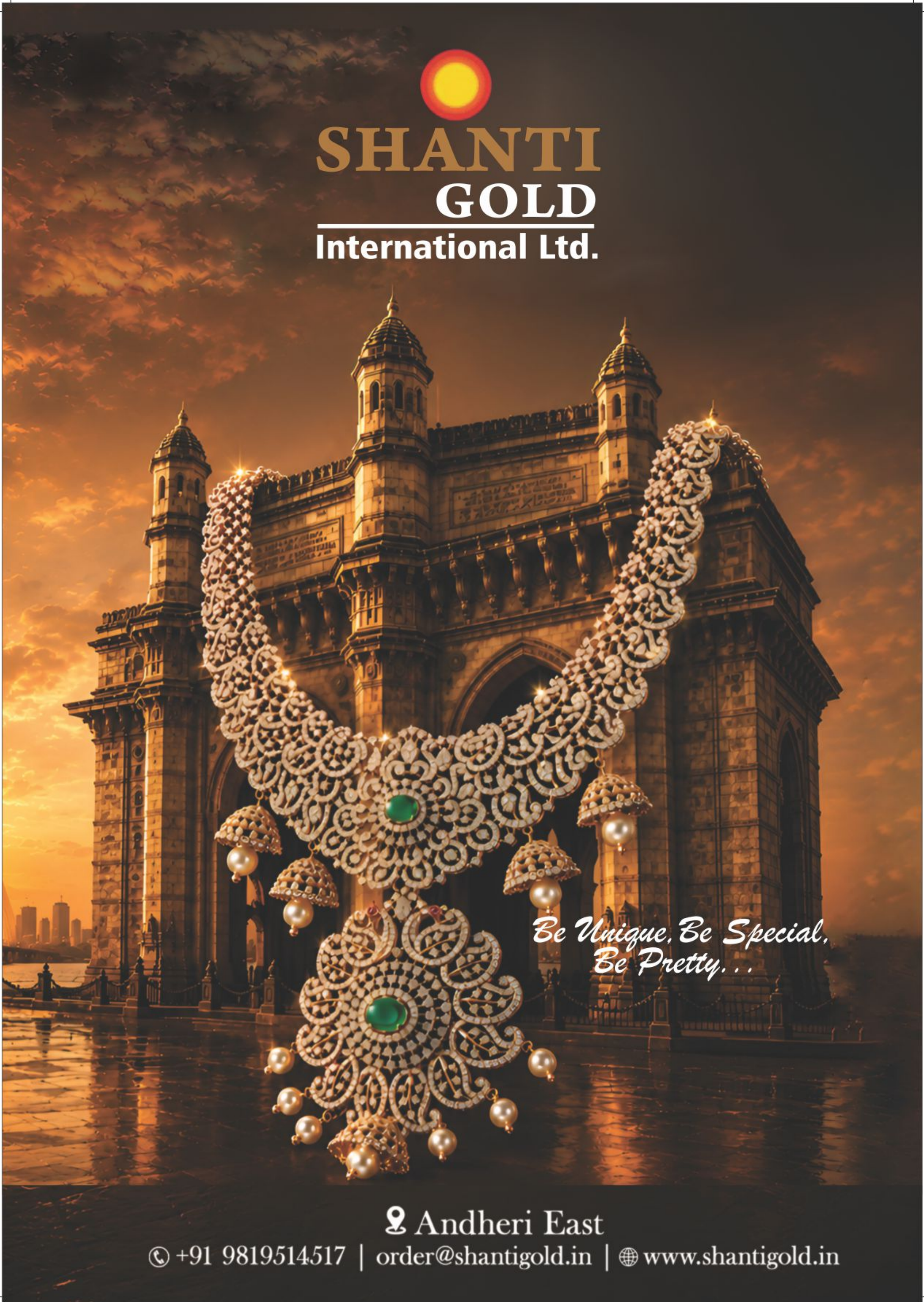
SHANTI
GOLD
International Ltd.
Be Unique, Be Special,
Be Pretty...
Andheri East
+91 9819514517 | order@shantigold.in | www.shantigold.in

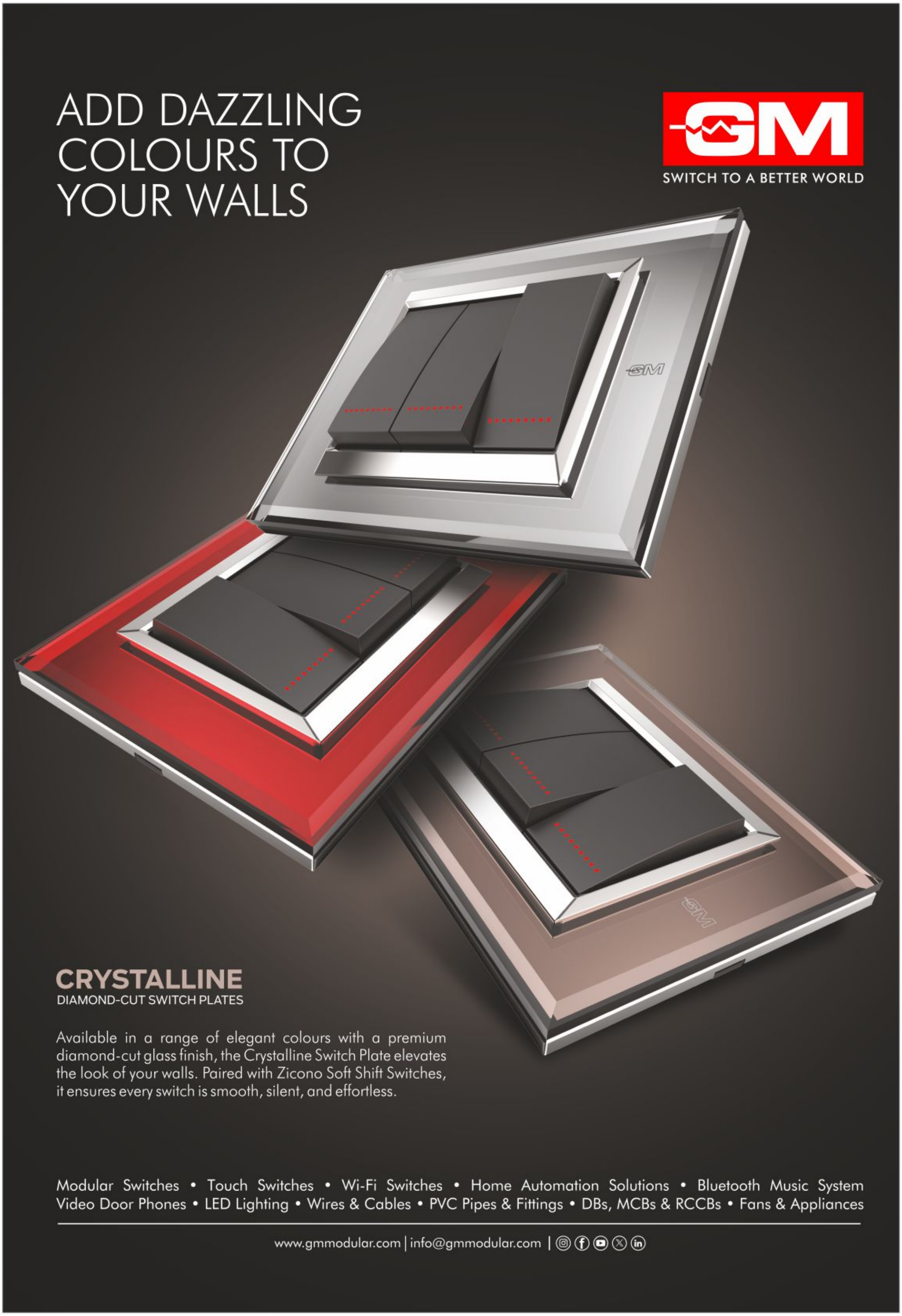
ADD DAZZLING
COLOURS TO
YOUR WALLS
GM
SWITCH TO A BETTER WORLD
CRYSTALLINE
DIAMOND-CUT SWITCH PLATES
Available in a range of elegant colours with a premium diamond-cut glass finish, the Crystalline Switch Plate elevates the look of your walls. Paired with Zicono Soft Shift Switches, it ensures every switch is smooth, silent, and effortless.
Modular Switches • Touch Switches • Wi-Fi Switches • Home Automation Solutions • Bluetooth Music System
Video Door Phones • LED Lighting • Wires & Cables • PVC Pipes & Fittings • DBs, MCBs & RCCBs • Fans & Appliances
www.gmmodular.com | info@gmmodular.com

युवा ऊर्जा, स्वर्णिम संभावनाएं और भारतीय ज्वेलरी उद्योग का नया आत्मविश्वास

> "भारतीय बाजार में ज्वेलरी की पारंपरिक मांग भी इस तेजी को अतिरिक्त समर्थन दे सकती है। आने वाले महीनों में कीमतों में मजबूती की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। ज्वेलरी उद्योग के लिए यह अवसर उत्पादन, स्टॉक प्रबंधन और बाजार रणनीति को समय रहते मजबूत करने का है।"

सिद्धराज लोढ़ा

भारतीय ज्वेलरी उद्योग केवल कारोबार का माध्यम नहीं, बल्कि परंपरा, विश्वास और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक है। बदलते समय के साथ इस उद्योग की दिशा भी बदल रही है। नई पीढ़ी के ज्वेलर्स आधुनिक सोच, नई तकनीक और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में जुटी है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की चाल, घरेलू मांग और निवेशकों का विश्वास आने वाले महीनों की तस्वीर तय कर रहा है। इसी बीच 'आभूषण टाइम्स' द्वारा युवा ज्वेलर्स पर प्रकाशित विशेषांक को मिले अभूतपूर्व स्नेह और 'आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026' की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय ज्वेलरी उद्योग एक नए आत्मविश्वास के दौर में प्रवेश कर चुका है। इस अंक में आपसे इस बातचीत में मार्केट के उसी सकारात्मक बदलाव, नई संभावनाओं और भविष्य की उम्मीदों के प्रतिबिंब की बात करते हैं।

मुंबई के युवा ज्वेलर्स पर 'आभूषण टाइम्स' द्वारा प्रकाशित विशेषांक को जिस प्रकार उद्योग, व्यापारिक संगठनों और पाठकों का स्नेह मिला, वह हमारे लिए केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी भी है। 'आभूषण टाइम्स' के इस विशेषांक ने यह सिद्ध किया कि भारतीय ज्वेलरी उद्योग की नई पीढ़ी केवल कारोबार नहीं बढ़ा रही, बल्कि नए नए प्रयोगों, डिज़ाइन के क्रिएशन, ब्रांडिंग और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भी अपनी अलग पहचान बना रही है। हम उन सभी युवा उद्यमियों, पाठकों, विज्ञापनदाताओं और उद्योग से जुड़े प्रत्येक सहयोगी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस प्रयास को सफल बनाया। 'आभूषण टाइम्स' आगे भी देशभर की उभरती प्रतिभाओं, नई सोच और प्रेरणादायक सफलताओं को मंच देता रहेगा। हमारा संकल्प है कि हर उस युवा ज्वेलर की कहानी देश के सामने लाएं, जो अपने परिश्रम और दृष्टि से भारतीय ज्वेलरी उद्योग का भविष्य गढ़ रहा है।

जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल द्वारा आयोजित 'आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026' ज्वेलरी एग्जिबिशन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि भारतीय ज्वेलरी उद्योग की विकास यात्रा पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। देश-विदेश से आए हजारों खरीदारों, निर्माताओं और निर्यातकों की सक्रिय भागीदारी ने बाजार में सकारात्मक माहौल तैयार किया। नए डिजाइनों, आधुनिक तकनीकों और व्यापारिक समझौतों ने यह संकेत दिया कि मांग धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। इस ज्वेलरी एग्जिबिशन के दौरान मिले व्यावसायिक ऑर्डर्स और निवेशकों का उत्साह इस बात का संकेत हैं कि आने वाले महीनों में ज्वेलरी कारोबार में नई बहार देखने को मिल सकती है। यदि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां अनुकूल रहती हैं तो ज्वेलरी उद्योग के लिए वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही उल्लेखनीय साबित हो सकती है। यह ज्वेलरी एग्जिबिशन केवल व्यापार नहीं, बल्कि पूरे उद्योग के आत्मविश्वास का उत्सव बनकर उभरी।

गोल्ड की बात की जाए, तो आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार गोल्ड की खरीद, राजनीतिक तनाव और सुरक्षित निवेश की बढ़ती प्रवृत्ति ने एक बार फिर वैश्विक स्तर पर गोल्ड के पक्ष में माहौल बनाना शुरू कर दिया है। गोल्ड में हाल के उतार-चढ़ाव के बावजूद दीर्घकालिक संकेत सकारात्मक दिखाई दे रहे हैं। यदि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां इसी दिशा में बनी रहती हैं और घरेलू मांग त्योहारी सीजन में तेज होती है, तो दीपावली के बाद गोल्ड अपने पुराने उच्च स्तरों को फिर छू सकता है। भारतीय बाजार में ज्वेलरी की पारंपरिक मांग भी इस तेजी को अतिरिक्त समर्थन दे सकती है। आने वाले महीनों में कीमतों में मजबूती की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। ज्वेलरी उद्योग के लिए यह अवसर उत्पादन, स्टॉक प्रबंधन और बाजार रणनीति को समय रहते मजबूत करने का है।

सिल्वर फिलहाल अपने उच्चतम स्तर से लगभग दो लाख 30 हजार रुपये प्रति किलो नीचे कारोबार कर रही है। इससे बाजार में कुछ निराशा अवश्य है, लेकिन व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो इसकी मूलभूत संभावनाएं अभी भी मजबूत बनी हुई हैं। औद्योगिक उपयोग, सोलर एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स और नई तकनीकों में बढ़ती मांग भविष्य में सिल्वर को फिर गति दे सकती है। हालांकि इसकी तेजी गोल्ड की तुलना में अधिक उतार-चढ़ाव वाली हो सकती है और निवेशकों को कमाई निकालने के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे वैश्विक औद्योगिक गतिविधियां मजबूत होंगी और निवेशकों का भरोसा लौटेगा, सिल्वर भी अपनी खोई हुई चमक वापस हासिल कर सकता है। इसलिए निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना अधिक उचित होगा। धैर्य रखने वाले निवेशकों और कारोबारियों के लिए सिल्वर भविष्य में बेहतर अवसर प्रस्तुत कर सकती है।

भारतीय ज्वेलरी उद्योग आज परिवर्तन और संभावनाओं के ऐसे दौर में खड़ा है, जहां नई पीढ़ी का उत्साह, आधुनिक तकनीक, वैश्विक बाजार की दिशा और घरेलू मांग मिलकर भविष्य की नई कहानी लिख रहे हैं। आपकी इस प्रमुख पत्रिका 'आभूषण टाइम्स' का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि उद्योग को दिशा, संवाद और प्रेरणा प्रदान करना भी है। युवा ज्वेलर्स को सम्मान देना, उद्योग की सकारात्मक उपलब्धियों को सामने लाना और बाजार की संभावनाओं का निष्पक्ष विश्लेषण करना हमारी निरंतर प्रतिबद्धता रहेगी। हमें विश्वास है कि आने वाले महीनों में भारतीय ज्वेलरी उद्योग और अधिक मजबूत होगा, गोल्ड और सिल्वर दोनों नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ेंगे तथा देश का जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ करेगा। यही 'आभूषण टाइम्स' का संकल्प है और आपका हमा पर यही विश्वास हमारी शक्ति है।

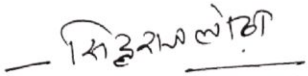

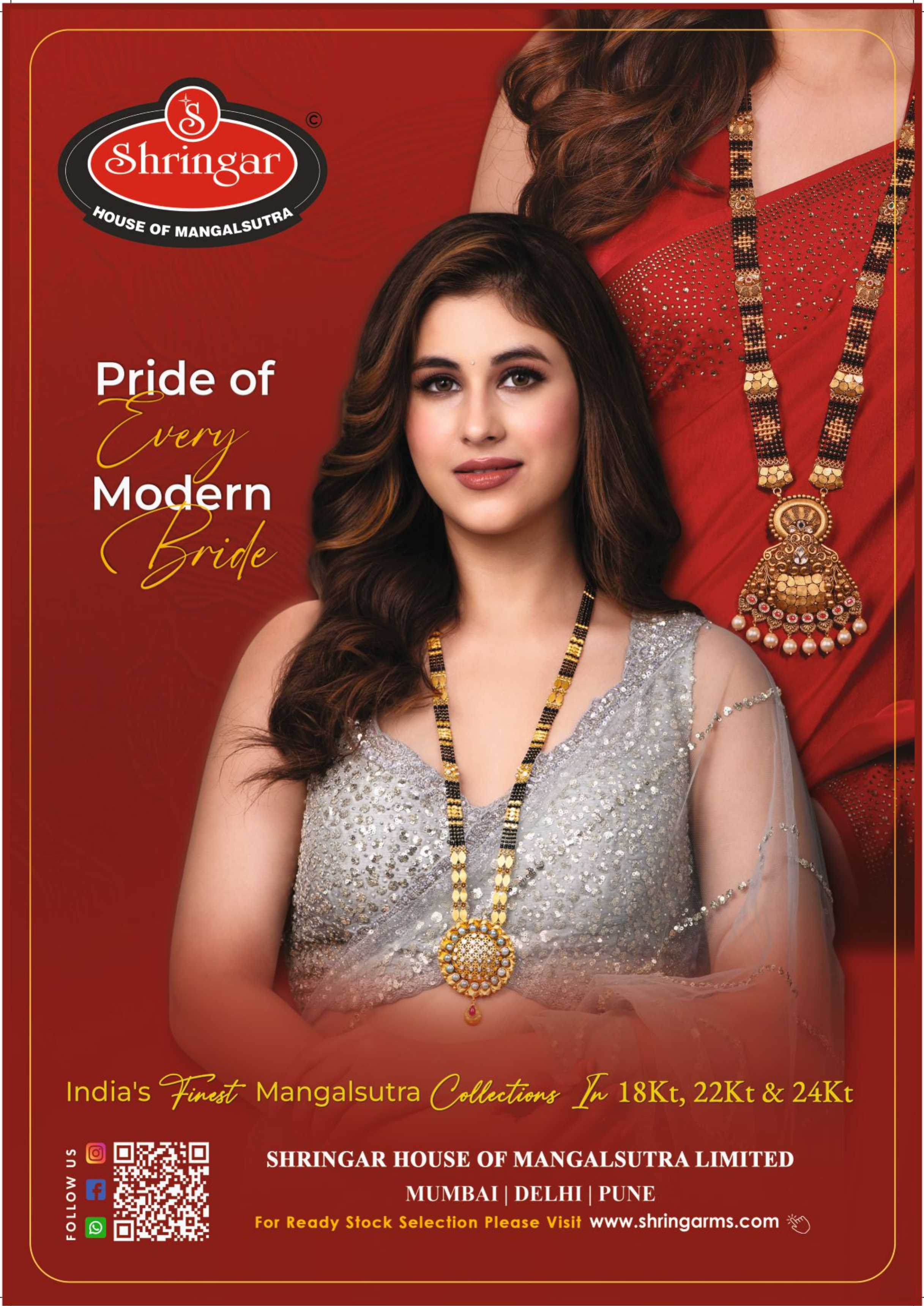
Shringar
HOUSE OF MANGALSUTRA
©
Pride of Every Modern Bride
India's Finest Mangalsutra Collections In 18Kt, 22Kt & 24Kt
FOLLOW US
SHRINGAR HOUSE OF MANGALSUTRA LIMITED
MUMBAI | DELHI | PUNE
For Ready Stock Selection Please Visit www.shringarms.com

आभूषण टाइम्स

मासिक

भारत की नंबर वन ज्वेलरी बिजनेस मैगजीन

वर्षः 19 | अंकः 06 | अगस्त 2026

04 युवा ऊर्जा, स्वर्णिम संभावनाएं और भारतीय ज्वेलरी उद्योग का नया आत्मविश्वास

08 गोल्डः दीपावली तक नई तेजी संभव
क्योंकि गोल्ड फिर बन रहा है सबसे सुरक्षित निवेश,

13 2040 रोडमैप के लिए चिंतन शिविर का आयोजन
रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को वैश्विक ब्रांड बनाने पर जोर

18 ज्वेलर्स फॉर होप में संयम मेहरा ने 1.1 करोड़ रुपये का दिया योगदान

अमेरिका के नए टैरिफ से भारतीय रत्न एवं आभूषण निर्यात पर दबाव, जीजेईपीसी ने जताई चिंता

20 आइआइजेएस प्रीमियर शानदार सफल
रिकॉर्ड बिजनेस के साथ भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री का दुनिया में कद बढ़ा

30 नेशनल ज्वेलरी अवॉर्ड्स के 15वें संस्करण की घोषणा, 22 अगस्त तक होंगी प्रविष्टियां

35 नामीबिया प्रतिनिधिमंडल ने भारत के साथ प्रत्यक्ष हीरा व्यापार की संभावनाएं तलाशीं

38 ज्वेलरी इंडस्ट्री का बदलता परिदृश्य
डिजाइन में बदलाव, नई परंपरा, और लाइट वेट में भविष्य

42 सिल्वरः धैर्य की सबसे बड़ी परीक्षा
स्थिरता के दौर से नई चमक की ओर बढ़ने में वक्त लगेगा

47 नई सोच और नई उड़ान के साथ आगे बढ़ रही युवा ज्वेलर्स की पीढ़ी

संपादक
सिद्धराज लोढ़ा

प्रबंध संपादक
राकेश लोढ़ा

सह संपादक
अखिल लोढ़ा
कुणाल लोढ़ा

डिजाइन
रवि गोरुले
कमलाकर तावडे

प्रिन्टर
प्रतिक ऑफसेट, मुंबई

सेल्स एवं ऑफिस प्रबंधक
सुरेश बोर्ले
हरिशंकर लोधी

आभूषण टाइम्स

407, कालबादेवी रोड,
दौलत भवन, दुसरा माला,
ऑफिस नं. 203 मुंबई - 400 002.

Tel.: 022-2201 7091 / 022-2240 0338
E:mail:. aabhusantimes@gmail.com
Visit on us:. www.aabhusantimes.com

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लोढ़ा सिद्धराज सोहनराजजी द्वारा फ्लॅट नं. 702, 7वां माला, प्राइम रोज, स्वरूप को.हॉ.सोसायटी, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400058, 407 कालबादेवी रोड, दौलत भवन, दूसरा माला, ऑफिस नं. 203, मुंबई - 400002, से प्रकाशित कर प्रतिक ऑफसेट, 180 सी, गायवाडी, कर्नाक कंपाउंड, गिरगांव, मुंबई 400004 से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र मुंबई रहेगा।

LAXMI
DIAMONDS
BENGALURU

EXQUISITE CRAFTSMANSHIP, UNPARALLELED QUALITY

For Any Business Enquiry Call Mr.Laxman +91 9380888030

LAXMI IMPERIAL PVT LTD

A Leading Manufacturer Of Closed Setting Diamond Jewellery

www.laxmidiamonds.com

गोल्डः दीपावली तक नई तेजी संभव

क्योंकि गोल्ड फिर बन रहा है सबसे सुरक्षित निवेश,

राकेश लोढ़ा

गोल्ड केवल एक कीमती धातु नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का सबसे भरोसेमंद सुरक्षा कवच माना जाता है। सदियों से जब-जब दुनिया आर्थिक, राजनीतिक या सैन्य अस्थिरता के दौर से गुजरी है, दुनिया का पहला भरोसा गोल्ड पर ही रहा है। यही कारण है कि आज भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में हलचल बढ़ते ही गोल्ड की मांग मजबूत होने लगती है। भारत में भी गोल्ड निवेश, बचत और परंपरा जैसे तीनों कारण का भारत में आगामी महीनों में त्योहारी सीजन, विशेष रूप से नवरात्रि, दशहरा, धनतेरस और दीपावली, घरेलू मांग को नई ऊर्जा दे सकते हैं। इसके साथ वैवाहिक सीजन को भी देखें, तो उससे भी भारतीय बाजार में गोल्ड को साल दर साल लगातार नया बूस्ट-अप मिलता रहा है। यदि वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में नरमी, डॉलर में कमजोरी या राजनीतिक तनाव बढ़ता है, तो गोल्ड की कीमतों को अतिरिक्त समर्थन मिल सकता है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान उतार-चढ़ाव के बावजूद गोल्ड का दीर्घकालिक रुझान अभी भी सकारात्मक बना हुआ है। यही कारण है कि निवेशक और ज्वेलरी उद्योग दोनों दीपावली तक कीमतों में एक नई तेजी की संभावना पर गंभीरता से नजर बनाए हुए हैं।

गोल्ड मार्केट को गहराई से जानने वाले सभी बिजनेसमेन या जानकार अच्छी तरह से जानते हैं कि गोल्ड की कीमतें केवल ज्वेलरी की मांग और आपूर्ति से तय नहीं होतीं, बल्कि उन पर वैश्विक आर्थिक हालात और राजनीतिक तनावों की परिस्थितियों का भी गहरा प्रभाव पड़ता है। जब दुनिया में युद्ध, क्षेत्रीय तनाव, व्यापारिक प्रतिबंध, ऊर्जा का संकट या आर्थिक अनिश्चितता बढ़ती है, तब निवेशक शेयर बाजार और जोखिम वाले निवेशों से निकलकर गोल्ड जैसी सुरक्षित

गोल्ड के रेट्स में हर रोज दिन में कई कई बार उतार-चढ़ाव देखने को मिलते हैं, लेकिन अगस्त के जाते जाते यह एक बार फिर 1.50 लाख से ऊपर पहुंच गया है। वैश्विक तनाव के असर के बढ़ने के बावजूद दीपावली तक गोल्ड में तेजी की उम्मीद दिख रही है।

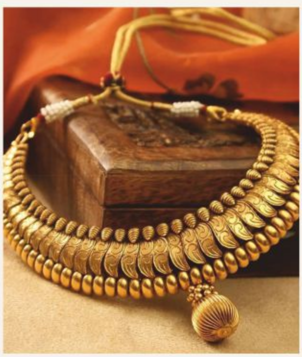

परिसंपत्तियों की ओर रुख करते हैं। इजराइल से जुड़े क्षेत्रीय तनाव, अमेरिका की रणनीतिक भागीदारी, मध्य-पूर्व की अस्थिरता तथा वैश्विक व्यापार पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों ने समय-समय पर गोल्ड की कीमतों को समर्थन दिया है। जानकार कहते हैं कि अगर ये युद्ध नहीं होता, तो गोल्ड सीधे 1.25 लाख प्रति 10 ग्राम पर आ सकता था, लेकिन युद्ध के बावजूद गोल्ड 1.40 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से नीचे नहीं आ सका है। दूसरी ओर, यदि अमेरिकी डॉलर मजबूत होता है या केंद्रीय बैंक ब्याज दरें ऊंची रखते हैं, तो गोल्ड पर दबाव भी बन सकता है। यही वजह है कि कभी कीमतें तेजी से ऊपर जाती हैं तो कभी मुनाफावसूली के कारण नीचे आ जाती हैं। वर्तमान उतार-चढ़ाव को बाजार के सामान्य चक्र का हिस्सा माना जा रहा है। गोल्ड के निवेशकों का पूरा ध्यान अब इस बात पर है कि आने वाले महीनों में वैश्विक परिस्थितियां किस दिशा में जाती हैं और उनका असर गोल्ड की नई चाल पर कितना पड़ता है।

दुनिया के लगभग सभी विकसित और विकासशील देशों के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गोल्ड के रूप में रखते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि गोल्ड किसी एक देश की मुद्रा पर निर्भर नहीं होता। यदि किसी देश की करेंसी कमजोर होती है या वैश्विक वित्तीय संकट पैदा होता है, तब भी गोल्ड अपनी ताकत बढ़ाकर बाजार भाव में अपना मूल्य बनाए रखता है। इसीलिए यह दुनिया के किसी भी देश के लिए आर्थिक स्थिरता का मजबूत आधार माना जाता है। इसके अलावा गोल्ड विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने, मुद्रास्फीति के असर को कम करने, वित्तीय जोखिम घटाने और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का विश्वास बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खास कर भारत जैसे देश में गोल्ड लोगों को आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं निवेश जैसी हर तरह से सुरक्षा देने का भी साधन माना जाता रहा है। हम देखते - पढ़ते रहते हैं कि कई देश लगातार गोल्ड खरीदते हैं ताकि वे अपने देश में भविष्य के आर्थिक संकटों से निबट सकें तथा उनके पास मजबूत आर्थिक सुरक्षा कवच मौजूद रहे। यही कारण है कि हाल के वर्षों में अनेक देशों के केंद्रीय बैंकों ने अपने गोलड स्टॉक में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इसका एक ही कारण है कि गोल्ड केवल निवेश

नहीं, बल्कि किसी भी राष्ट्र की आर्थिक विश्वसनीयता, वित्तीय मजबूती और रणनीतिक सुरक्षा का भी प्रतीक माना जाता है।

वैश्विक बाजार के कई संकेत बताते हैं कि गोल्ड फिर से तेजी कपड़ेगा। इसमें दोबारा मजबूती आने की संभावनाएं इसलिए बनी हुई हैं, क्योंकि हर देश में, इसकी खरीदी की जरूरत लगातार महसूस की जा रही है। मावना जा रहा है कि यदि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरों में कटौती का दौर शुरू होता है, डॉलर अपेक्षाकृत कमजोर पड़ता है और केंद्रीय बैंक स्वर्ण खरीद जारी रखते हैं, तो गोल्ड की कीमतों को मजबूत आधार मिल सकता है, जिसकी संभावनाएं बेहद ज्यादा है। इसके अलावा दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आपसी राजनीतिक तनाव, विश्व बैंक के कर्ज का बढ़ता स्तर और हर देश की अपनी आंतरिक आर्थिक अनिश्चितता भी गोल्ड की सुरक्षित निवेश वाली छवि को और मजबूत करती हैं। भारत जैसे बड़े उपभोक्ता बाजार में त्यौहारी और विवाह सीजन के दौरान ज्वेलरी की मांग भी कीमतों को सहारा दे सकती है। गोल्ड इंडस्ट्री के विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ये सभी कारक एक साथ अनुकूल रहते हैं, तो दीपावली तक गोल्ड अपने पुराने आल टाइम हाई लेवल के करीब पहुंच सकता है या नए रिकॉर्ड भी बनाने का प्रयास करता दिख सकता है। हालांकि बाजार में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव बने रह सकते हैं, लेकिन दीर्घकालिक तस्वीर अभी भी सकारात्मक मानी जा रही है।

भारतीय बाजार में गोल्ड की कीमतें अपने सर्वोच्च स्तर से नीचे आने के बाद फिलहाल संतुलन बनाने की कोशिश कर रही हैं। बीचते लगभग दो महीने तक गोल्ड 1.40 और 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच ट्रेंड करता रहा, और यह स्थिति कई निवेशकों को खरीदारी का अवसर भी प्रदान करती रही। जून और जुलाई महीने में गोल्ड की कीमतें वास्तव में अपने उच्च स्तर से लगभग 45 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम नीचे रही हैं, इसीलिए गोल्ड इंडस्ट्री के कुछ अंतरराष्ट्रीय विश्लेषणों में चर्चा की जा रही है, और यह संकेत है कि बाजार में सुधार का चरण चल रहा है। इतिहास बताता है कि गोल्ड में तेज गिरावट के बाद अक्सर मजबूत रिकवरी देखने को मिलती है, विशेषकर तब जब घरेलू मांग बढ़ती है और वैश्विक परिस्थितियां अनुकूल होती हैं। भारत में त्योहारी और विवाह सीजन के दौरान आभूषणों की खरीद पारंपरिक रूप से बढ़ जाती है। इसके साथ यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार से भी सकारात्मक संकेत मिलते हैं, तो कीमतों में अपेक्षाकृत कम समय में फिर से जबरदस्त तेजी देखने को मिल सकती है। इसलिए दुनिया के अनेक गोल्ड विशेषज्ञ इस दौर को लंबी अवधि के लिए अवसर के रूप में भी देखते हैं। वैश्विक गोल्ड उद्योग से जुड़े एक्सपर्ट्स तथा वर्ल् गोल्ड काउंसिल का का भी मानना है कि वर्तमान उतार-चढ़ाव को दीर्घकालिक कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। एक्सपर्ट्स का कहना है कि गोल्ड की बुनियादी मजबूती अभी भी कायम है। केंद्रीय बैंकों की खरीद, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, निवेशकों की सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर बढ़ती रुचि और भारत जैसे देशों में मजबूत उपभोक्ता मांग, ये सभी कारक भविष्य में कीमतों को सहारा दे सकते हैं। उद्योग से जुड़े कई वैश्विक कारोबारी मानते हैं कि त्योहारी सीजन में ज्वेलरी की बिक्री बेहतर रहने की संभावना है, जबकि निवेशक भी गिरावट के दौरान चरणबद्ध खरीदारी को प्राथमिकता दे रहे हैं। एक्सपर्ट्स यह भी सलाह देते हैं कि अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से घबराने के बजाय लोगों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। इन एक्सपर्ट्स के अनुसार गोल्ड हमेशा पोर्टफोलियो का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहना चाहिए, क्योंकि यह जोखिम संतुलित करने और आर्थिक अनिश्चितता के समय पूंजी की सुरक्षा प्रदान करता है।

मुख्य बात यह है कि गोल्ड ने पिछले कई दशकों में यह सिद्ध किया है कि वैश्विक संकट, आर्थिक अस्थिरता और बाजार की अनिश्चितताओं के बीच वही सबसे भरोसेमंद परिसंपत्तियों में से एक बना रहता है। अल्पकालिक उतार-चढ़ाव निवेश बाजार का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन गोल्ड की दीर्घकालिक उपयोगिता और विश्वसनीयता पर उनका सीमित प्रभाव पड़ता है। आने वाले महीनों में त्योहारी मांग, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां, केंद्रीय बैंकों की खरीद और भू-राजनीतिक घटनाक्रम गोल्ड की दिशा तय करेंगे। ज्वेलरी उद्योग के लिए यह समय सतर्कता, संतुलित रणनीति और दीर्घकालिक सोच के साथ आगे बढ़ने का है। क्योंकि आज भी गोल्ड केवल ज्वेलरी नहीं, बल्कि विश्वास, सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता का सबसे मजबूत प्रतीक माना जाता है। यदि हालात सकारात्मक बने रहते हैं, तो दीपावली तक गोल्ड में नई तेजी देखने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता।

नमन जैन
रॉयल चेन लि.

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की लगातार गोल्ड खरीद और त्योहारी सीजन की मजबूत मांग को देखते हुए गोल्ड में फिर तेजी की पूरी संभावना है। यदि वैश्विक हालात मौजूदा दिशा में बने रहे, तो दीपावली तक गोल्ड अपने पिछले उच्च स्तर के करीब पहुंच सकता है।

आइआइजेएस ज्वेलरी एग्जीबिशन के दौरन हमने देखा कि गोल्ड 1.40 लाख प्रति 10 ग्राम के रेट से से ऊपर लगातार ढ़ता गया। अगस्त के तीसरे सप्ताह में यह कैश में 1.50 के ऊपर है तथा जीएअसटची के साथ 1.57 लाख पहुंच गया है। हर देश के लिए गोल्ड गोल्ड बेहद जरूरी है, इसीलिए माना जा रहा है कि गोल्ड में वैश्विक स्तर पर फिर तेजी लौट सकती है।

श्रेयांश हरण
राजेन्द्र ज्वेलरी हाऊस

भारत में हर साल दीपावली और विवाह सीजन गोल्ड की मांग को नई ऊंचाई देता है। हाल ही में देश भर से जो ज्वेलर्स एग्जिबिशन में आए थे, उनके मुताबिक भी बाजार सकारात्मक है। रेट में हल्का उतार-चढ़ाव जरूर रहेगा, लेकिन लंबी अवधि का रुझान अभी भी तेजी की ओर संकेत कर रहा है।

शुभम बाफना
श्री तरू ज्वेल्स

आइआइजेएस एग्जिबिशन में हमने देखा है कि गोल्ड की कीमतें केवल घरेलू मांग से नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक संकेतों से भी प्रभावित होती हैं। यदि प्रमुख केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में नरमी अपनाते हैं और डॉलर कमजोर पड़ता है, तो गोल्ड में एक और मजबूत तेजी देखने को मिल सकती है।

धीरज सरपुरिया
लक्ष्मी गोल्ड

गोल्ड की वर्तमान कीमतों को कई निवेशक खरीदारी के अवसर के रूप में देख रहे हैं। सुरक्षित निवेश के रूप में गोल्ड की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। मेरा मानना है कि आने वाले महीनों में दीपावली तक निवेश और ज्वेलरी दोनों क्षेत्रों से मांग बढ़ेगी, जिससे गोल्ड की कीमतों को और समर्थन मिलेगा।

SILVERIO

Silverio Artesa Pvt. Ltd.

The Finest Quality in 92.5 Silver Jewellery

Shop. 220/224,2, 2nd floor, Harbilas Building, Kalbadevi Road, Opp. Abhinandan Market, Near G9 Clothing, Mumbai-400002
Office: 022- 49701485, 9867271456 +91-910780-0700

R Kothari Jewellers Pvt. Ltd.

81, Chandra Darshan Building, Office No. 10, 3rd Floor, Dhanji Street, Zaveri Bazar, Mumbai-400 003
022 61834463 / 61834783 +91 7738274115 | I.com : 4463 / 4783
e-Mail : rkotharijewels@gmail.com | Website : www.rkotharijewels.com

Organized by :
AADIKAASH™
INTERNATIONAL PVT. LTD.
INDIA'S BIGGEST EXCLUSIVE
SILVER SHOW
JAIPUR 2026
EDITION 3RD
ISJS™
INDIA SILVER JEWELLERY SHOW
30-31 Aug-1Sept. 2026
JECC, SITAPURA, JAIPUR
TRUST SILVER SHOW
TRUST ISJS
For Any Queries Contact :
+91 999 0488 666 || +91 9672 607 607
PREMIUM BRANDS PARTICIPATION
ALL OVER INDIA VISITOR
EXCLUSIVE COLLECTION
INDIA'S BIGGEST SILVER SHOW

2040 रोडमैप के लिए चिंतन शिविर का आयोजन
रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को वैश्विक ब्रांड बनाने पर जोर

मुंबई। भारत के रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के वर्ष 2040 तक के विकास का रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से चिंतन शिविर का आयोजन भारत रत्नम मेगा सीएफसी, सीप्ज, मुंबई में हुआ। वाणिज्य मंत्रालय के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, नीति-निर्माताओं तथा रत्न एवं आभूषण उद्योग के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया। चिंतन शिविर में क्षेत्र के दीर्घकालिक विकास, निर्यात बढ़ाने, वैश्विक प्रतिस्पर्धा मजबूत करने और भारतीय रत्न एवं आभूषण उद्योग को भविष्य के लिए अधिक सक्षम बनाने को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में डीजीएफटी के महानिदेशक लव अग्रवाल ने कहा कि भारत के रत्न एवं आभूषण उद्योग को केवल कमोडिटी आधारित निर्यात से आगे बढ़कर मूल्यवर्धित उत्पादों और वैश्विक स्तर पर पहचान रखने वाले ब्रांडों के निर्माण पर ध्यान देना होगा। उन्होंने निर्यातकों के आधार को व्यापक बनाने तथा निर्यात वृद्धि के लिए मिशन मोड में काम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

चिंतन शिविर में डीजीईपी के महानिदेशक शिव कुमार शर्मा, सीप्ज के विकास आयुक्त ज्ञानेश्वर पाटील, डीजीएफटी के अतिरिक्त महानिदेशक आर.के. मिश्रा, वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव साकेत कुमार, ईसीजीसी के सीएमडी सृष्टिराज अम्बस्थ, वाणिज्य विभाग के निदेशक डॉ. तारिक थॉमस, एमएसएमई मंत्रालय के अतिरिक्त विकास आयुक्त आर.के. राय, डीपीआईआईटी के सीजीपीडीटीएम के उप नियंत्रक डॉ. श्याम कुमार बारिक तथा बीआईएस के वरिष्ठ निदेशक प्रवीण कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उद्योग की ओर से जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (GJEPC) के चेयरमैन किरीट भंसाली, वाइस चेयरमैन शौनक पारिख और कार्यकारी निदेशक सब्यसाची रे ने भाग लिया।

चिंतन शिविर का उद्देश्य विचार-विमर्श को ठोस कार्ययोजना में बदलते हुए भारतीय रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के लिए स्पष्ट प्राथमिकताएं निर्धारित करना है। बैठक में निर्यात क्षमता बढ़ाने, मूल्यवर्धित उत्पादों को प्रोत्साहित करने, नए निर्यातकों को जोड़ने और वैश्विक बाजार में भारतीय आभूषणों की पहचान मजबूत करने जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उद्योग और सरकार के बीच इस संवाद से वर्ष 2040 तक एक अधिक मजबूत, प्रतिस्पर्धी, नवाचार-आधारित और भविष्य के लिए तैयार भारतीय रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होने की उम्मीद है। चिंतन शिविर का आयोजन 19 अगस्त 2026 को भारत रत्नम मेगा सीएफसी, सीप्ज, मुंबई में किया गया।

जयपुर में 30 अगस्त से शुरू होगा तीसरा इंडिया सिल्वर ज्वेलरी शो

जयपुर। सिल्वर ज्वेलरी एवं सिल्वर आर्टिकल्स के क्षेत्र में देश के प्रमुख बी2बी आयोजनों में शामिल इंडिया सिल्वर ज्वेलरी शो (ISJS) का तीसरा जयपुर संस्करण 30 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन JECC, सीतापुरा, जयपुर में होगा। जयपुरवाला सिल्वर शो के तहत आयोजित होने वाला यह विशेष बी2बी ट्रेड शो सिल्वर ज्वेलरी एवं सिल्वर आर्टिकल्स से जुड़े निर्माताओं, कारोबारियों और खरीदारों को एक मंच प्रदान करेगा। आयोजन में देशभर के प्रमुख सिल्वर

ज्वेलरी निर्माताओं की भागीदारी रहेगी, जहां विजिटर्स को नवीनतम कलेक्शंस, आकर्षक डिजाइन और कारोबार के नए अवसर देखने को मिलेंगे।

आयोजकों के अनुसार, शो का उद्देश्य सिल्वर उद्योग से जुड़े व्यवसायियों को एक ही मंच पर बेहतर कारोबारी अवसर उपलब्ध कराना है। तीन दिनों के दौरान प्रतिभागी प्रमुख निर्माताओं से मुलाकात करने के साथ सिल्वर ज्वेलरी एवं आर्टिकल्स की विभिन्न श्रेणियों और नए कलेक्शंस का अवलोकन कर सकेंगे। आयोजकों ने देशभर के सिल्वर ज्वेलरी कारोबारियों एवं उद्योग से जुड़े पेशेवरों से शो में भाग लेने की अपील की है। विजिटर्स के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

SANGAM HOUSE OF JEWELS LLP

Swarn House, 3rd Floor, 17/19 Dhanji Street, Zaveri Bazaar, Mumbai, 400003

+91 99200 33377

Follow us on

The House of SILVER EMPORIUM
SILVER . GOLD . DIAMONDS
SILVER EMPORIUM
silveremporium.in
GIRVÁAN
A STORY of GOLD
DIARAH
JEWELS
Fine Diamond Jewellery
TARAVA
MOMENTS IN SILVER
tarava.in
SILVER EMPORIUM . 232/234, Chamber Bhavan, 1st Floor,
Kalbadevi Road, Mumbai - 400002. info@silveremporium.in
Mumbai - Jaipur - Hyderabad - Chennai - Bengaluru

GAURAKKII
LUXURY DIAMONDS FOR EVERYONE
Lab-GrownDiamonds
IGI
Certified
Luxury
Silver Jewellery
Shop No 2/3, Ground Floor, Johari Mall, Opp. Aurum Mall, Zaveri Bazar, Mumbai.
98196 10210
gaurakkii.com

VSL
925 SILVER
THE PURE CRAFT OF QUALITY
Hemant Badola
9819610210
VSL
Vardhmaan 925
Silver Jewellery LLP
at : Shop No. 2/3, Ground Floor, Johari Mall, Opp. Aurum Mall,
Zaveri Bazar, Mumbai-400 002.
Tel.: 022 61832323 / 2241 0210 Mob.: 09819610210 / 08575925925
Web.: www.vls925silver.com
Email : info@vls925silver.com | hemantbadola@yahoo.com
EVERY THING IN 92.5 SILVER

ADN
THE MARK OF GUARANTEE & CREATION

Aradhana
JEWELLERS PVT. LTD.

WE HAVE RELOCATED
Expanding to serve you
better

Aradhana Jewellers Pvt. Ltd.

Office no. 201, 2nd Floor, ADN House, Bldg no. 157/165, Sheikh Memon Street, Zaveri Bazar, Mumbai - 400002.
Karan Surana - 9820604171 / **Aryan Surana** - 9820204171, **Landline** - 23405500 / 23475500, **Intercom** - 4148
eMail : aradhanajewellerspvtltd@gmail.com | www.aradhanajewellers.com

ज्वेलर्स फॉर होप में संयम मेहरा ने 1.1 करोड़ रुपये का दिया योगदान

मुंबई। जेम एंड ज्वेलरी उद्योग में कारोबार के साथ सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल सामने आई है। जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (GJEPC) द्वारा आयोजित 'ज्वेलर्स फॉर होप' कार्यक्रम में यूनिक चेन्स के संयम मेहरा ने परोपकार की मिसाल पेश करते हुए 1.1 करोड़ रुपये का उल्लेखनीय चैरिटेबल योगदान दिया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित अभिनेत्री माधुरी दीक्षित के फाउंडेशन फंड को सहयोग देने के उद्देश्य से यह राशि प्रदान की गई। संयम मेहरा के इस योगदान को उद्योग जगत में सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक सहयोग की भावना को मजबूत करने वाली महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

'ज्वेलर्स फॉर होप' जैसे आयोजनों का उद्देश्य ज्वेलरी उद्योग की आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ समाज के जरूरतमंद वर्गों के लिए सहयोग और सेवा की भावना को आगे बढ़ाना है। इस अवसर पर उद्योग से जुड़े प्रमुख सदस्यों ने भी परोपकार और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

संयम मेहरा द्वारा इतनी बड़ी राशि का योगदान यह दर्शाता है कि जेम एंड ज्वेलरी उद्योग की नई पीढ़ी व्यापारिक सफलता के साथ सामाजिक दायित्वों को भी प्राथमिकता दे रही है। उनका यह कदम उद्योग के अन्य कारोबारियों और युवा उद्यमियों के लिए भी प्रेरणादायक माना जा रहा है।

अंसा ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड को 'बेस्ट फेस्टिव ज्वेलरी कलेक्शन' पुरस्कार

मुंबई। मुंबई की प्रतिष्ठित ज्वेलरी कंपनी अंसा ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड को ज्वेलएक्स ग्लोबल बिजनेस अवॉर्ड्स - ज्वेलरी एंड वॉचेज में 'बेस्ट फेस्टिव ज्वेलरी कलेक्शन' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान कंपनी के डायरेक्टर्स अश्विन कांतीलाल शाह एवं किरण कांतीलाल शाह को उत्कृष्ट कारीगरी, अभिनव डिजाइनों और ज्वेलरी उद्योग में गुणवत्ता के प्रति निरंतर समर्पण के लिए प्रदान किया गया। कंपनी ने वर्षों की मेहनत, उच्च गुणवत्ता और ग्राहकों के विश्वास के बल पर उद्योग में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

पारंपरिक भारतीय शिल्पकला को आधुनिक डिजाइनों के साथ प्रस्तुत करते हुए अंसा ज्वेलर्स ने ज्वेलरी क्षेत्र में रचनात्मकता और उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित किए हैं। इस उपलब्धि की ज्वेलरी उद्योग में व्यापक सराहना की जा रही है। उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधियों, व्यापारिक सहयोगियों और शुभचिंतकों ने अश्विन कांतीलाल शाह, किरण कांतीलाल शाह तथा अंसा ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड की पूरी टीम को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

अमेरिका के नए टैरिफ से भारतीय रत्न एवं आभूषण निर्यात पर दबाव, जीजेईपीसी ने जताई चिंता

GJEPC INDIA

किरीट भंसाली
चेयरमैन-जीजेईपीसी

मुंबई। अमेरिका द्वारा 24 जुलाई 2026 से लागू नई सेक्शन 301 टैरिफ व्यवस्था के तहत भारतीय रत्न एवं आभूषण निर्यात पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क यथावत रखा गया है। इस पर जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे भारतीय निर्यातकों पर दबाव बना रहेगा।

जीजेईपीसी के चेयरमैन किरीट भंसाली ने कहा कि भारत का रत्न एवं आभूषण उद्योग जिम्मेदार सोर्सिंग, श्रमिक कल्याण और नैतिक व्यापार के लिए प्रतिबद्ध है तथा इसे जबरन श्रम से जोड़ना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा फोर्स्ड लेबर से बने उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने के बावजूद 10 प्रतिशत अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ उचित नहीं है।

हालांकि, भारत को 10 प्रतिशत टैरिफ श्रेणी में रखा गया है, जबकि चीन, हांगकांग, थाईलैंड, तुर्किये, यूएई, इजराइल और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देशों पर 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया गया है। इससे भारतीय निर्यातकों को 2.5 प्रतिशत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी। जीजेईपीसी ने कहा कि यूरोपीय संघ से आने वाले प्राकृतिक हीरों पर अतिरिक्त शुल्क नहीं है, जबकि भारत से निर्यात होने वाले प्राकृतिक हीरों पर 10 प्रतिशत शुल्क लागू है, जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है। परिषद ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) को शीघ्र अंतिम रूप देने तथा प्राकृतिक हीरों और रंगीन रत्नों को अतिरिक्त शुल्क से छूट देने की मांग दोहराई।

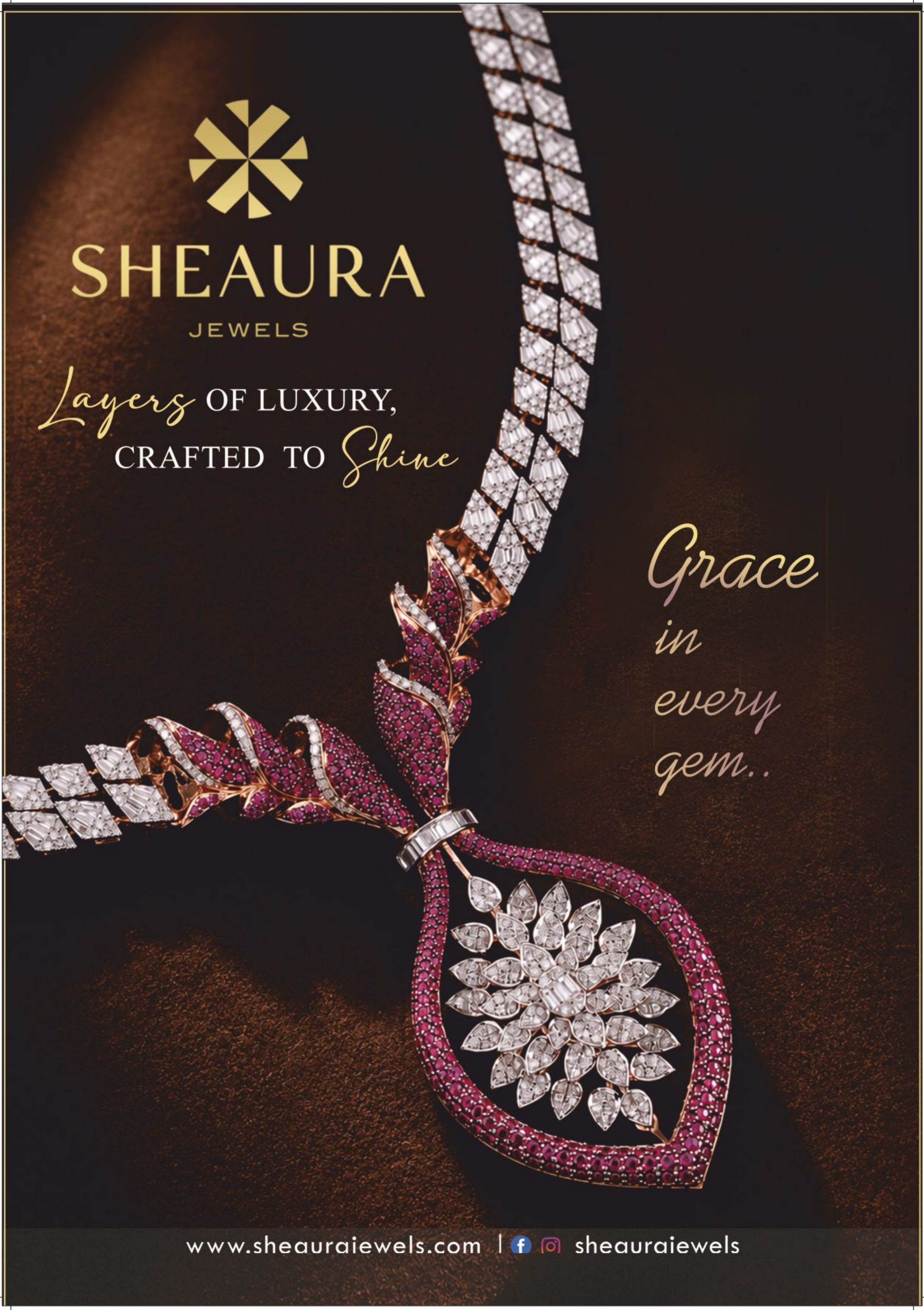
SHEAURA
JEWELS
Layers OF LUXURY,
CRAFTED TO Shine
Grace in every gem..
www.sheauraiewels.com | sheauraiewels

आइआइजेएस प्रीमियर शानदार सफल

रिकॉर्ड बिजनेस के साथ भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री का दुनिया में कद बढ़ा

विश्व के दूसरे सबसे बड़े जेम्स एंड ज्वेलरी बिजनेस-टू-बिजनेस शो के रूप में स्थापित आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026 ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि भारत केवल दुनिया का सबसे बड़ा जेम एवं ज्वेलरी निर्माण केंद्र ही नहीं, बल्कि वैश्विक खरीद-बिक्री और डिज़ाइन नवाचार का भी प्रमुख केंद्र बन चुका है। हजारों करोड़ रुपये के संभावित व्यापार, रिकॉर्ड भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की मजबूत उपस्थिति ने इस आयोजन को भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बना दिया। इस शो में आगामी विवाह और त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए ज्वेलर्स ने बड़ी संख्या में नए कलेक्शन्स का चयन किया। शो में प्रदर्शित ज्वेलरी उत्पादों की विविधता, क्वालिटी और डिजाइंस बेहद प्रभावशाली रहे। विशेष रूप से युवा उपभोक्ताओं और प्रीमियम ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए संग्रहों ने लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। यह आयोजन न केवल खरीदारी का सबसे बड़ा मंच है, बल्कि ज्वेलरी इंडस्ट्री की दिशा और उपभोक्ता रुझानों को समझने का सबसे महत्वपूर्ण अवसर भी है।

जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) द्वारा आयोजित आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026 का आयोजन मुंबई के दो प्रमुख एग्जीबिशन केंद्रों, जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स तथा बॉम्बे एग्जीबिशन सेंटर (नेस्को), गोरेगांव में किया गया। इस बार आइआइजेएस का यह 42वां संस्करण था, जो आकार, सहभागिता तथा कारोबारी संभावनाओं के लिहाज से अब तक के सबसे प्रभावशाली आयोजनों में शामिल रहा। जीजेईपीसी के 5 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक मुंबई में आयोजित इस भव्य आयोजन ने न केवल देश-विदेश के हजारों ज्वेलरी व्यापारियों, ज्वेलरी निर्माताओं, ज्वेलरी निर्यातकों और ज्वेलरी के खुदरा विक्रेताओं को एक मंच पर लाया, बल्कि भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री की क्षमता और

मुंबई में आयोजित विश्व के दूसरे सबसे बड़े जेम्स एंड ज्वेलरी बीटूबी शो ने भारत को वैश्विक ज्वेलरी बिजनेस के सबसे भरोसेमंद और प्रभावशाली केंद्र के रूप में स्थापित किया है। इस बार के आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026 ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि भारत वैश्विक जेम्स एवं ज्वेलरी इंडस्ट्री का सबसे विश्वसनीय और गतिशील केंद्र बन चुका है

वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता का भी शानदार प्रदर्शन किया। जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) द्वारा आयोजित इस शो ने व्यापार, निवेश, निर्यात और नेटवर्किंग के नए आयाम स्थापित किए। इस वर्ष शो में 2100 से अधिक ज्वेलरी और सहयोगी इंडस्टरी के एग्जिबीटर्स ने भाग लिया, जिन्होंने 3600 से अधिक स्टॉल्स के माध्यम से अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। लगभग एक लाख 35 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस आयोजन ने दुनिया भर के व्यापारिक समुदाय का ध्यान आकर्षित किया।

आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026 का आयोजन में रिकॉर्ड भागीदारी ने इस आयोजन का गौरव बढ़ाया है। आइआइजेएस में 50,000 से अधिक ट्रेड विजिटर्स के आने का अनुमान था और आयोजन के दौरान देश तथा विदेश से आए खरीदारों की भारी उपस्थिति ने इस अनुमान को सार्थक सिद्ध किया। भारत के 1300 से अधिक शहरों से व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं ने शो में भाग लिया, जबकि 80 से अधिक देशों से अंतरराष्ट्रीय खरीदार और प्रतिनिधि पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती स्वीकार्यता का प्रमाण यह रहा कि मध्य पूर्व, अमेरिका, यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों से बड़ी संख्या में खरीदारों ने भारतीय उत्पादों में रुचि दिखाई। इस वैश्विक भागीदारी ने भारतीय निर्माताओं को नए निर्यात बाजारों तक पहुंचने का अवसर प्रदान किया, जो व्यापारिक सफलता के नए कीर्तिमान कहा जा सकता है। आइआइजेएस में, 'द सिलेक्ट क्लब' खास तौर से बड़े ज्वेलर्स के आकर्षण का केंद्र बना रहा। जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'द सिलेक्ट क्लब' ने विशेष रूप से हाई-एंड और लक्जरी ज्वेलरी सेगमेंट को समर्पित मंच प्रदान किया। यहां देश के अग्रणी ज्वेलरी ब्रांडों और डिजाइनरों ने अपनी विशिष्ट कलेक्शन प्रस्तुत कीं। इस सेक्शन ने प्रीमियम खरीदारों और अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों को आकर्षित किया तथा भारतीय लक्जरी ज्वेलरी इंडस्ट्री की क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित किया।

जीजेईपीसी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार आइआइजेएस भारत प्रीमियर केवल एग्जीबिशन नहीं, बल्कि वास्तविक व्यापारिक लेन-देन और भविष्य के ऑर्डर्स का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। शो के दौरान बड़ी संख्या में ऑन-द-स्पॉट ऑर्डर्स प्राप्त हुए, जबकि आगामी विवाह और त्योहारी सीजन के लिए देशभर के रिटेलर्स ने व्यापक खरीदारी की। ज्वेलरी इंडस्ट्री के प्रमुख लोगों का मानना है कि इस आयोजन के माध्यम से हजारों करोड़ रुपये के व्यापारिक अवसर सृजित हुए। गोल्ड, सिल्वर, प्लैटिनम, डायमंड, कलर स्टोन्स, लैब-ग्रोन डायमंड्स और हाई-एंड कूट्योर ज्वेलरी के विभिन्न वर्गों में उल्लेखनीय व्यावसायिक गतिविधियां दर्ज

की गईं। कई कंपनियों ने नए ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक व्यावसायिक समझौते भी किए। खास तौर से भारतीय डिजाइन और ज्वेलरी की अभिनव निर्मिति को वैश्विक प्रदर्शन का असुवसर मिला। आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026 की सबसे बड़ी विशेषता भारतीय शिल्पकला और आधुनिक तकनीक का संगम रहा। प्रदर्शकों ने पारंपरिक भारतीय डिजाइन से लेकर समकालीन वैश्विक रुझानों पर आधारित संग्रह प्रस्तुत किए। विवाह, लक्जरी, दैनिक उपयोग, निवेश-आधारित ज्वेलरी और युवा ग्राहकों के लिए विशेष डिजाइन आकर्षण का केंद्र रहे। शो में गोल्ड ज्वेलरी, डायमंड एवं जेमस्टोन स्टडेड ज्वेलरी, सिल्वर ज्वेलरी, आर्टिफैक्ट्स, गिफ्टिंग आइटम्स, लूज डायमंड्स, कलर्ड स्टोन्स, लैब-ग्रोन डायमंड्स, लैब-ग्रोन ज्वेलरी, इंटरनेशनल ज्वेलरी सेक्शन और हाई-एंड कूट्योर ज्वेलरी को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। यह शो रिटेलर्स के लिए सबसे बड़ा सोर्सिंग प्लेटफॉर्म साबित हुआ। देशभर से आए हजारों ज्वेलरी रिटेलर्स के लिए आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026 को एक महत्वपूर्ण सोर्सिंग प्लेटफॉर्म के रूप में देखा जाने लगा है। आगामी त्योहारी और विवाह सीजन को देखते हुए खुदरा विक्रेताओं ने बड़ी मात्रा में नए डिजाइन और उत्पादों की बुकिंग की। इससे इंडस्ट्री को घरेलू मांग का स्पष्ट संकेत मिला और निर्माताओं को उत्पादन योजनाएं बनाने में सहायता मिली।

हर बार की तरह इस बार भी, एक खास थीम ने भारत की शक्ति दिखाई। इस वर्ष शो की थीम 'ब्रिलियंट भारत' रही, जिसका उद्देश्य भारतीय जेम्स एवं ज्वेलरी इंडस्ट्री की समृद्ध विरासत, उत्कृष्ट शिल्पकला, सांस्कृतिक विविधता और आधुनिक नवाचार को प्रदर्शित करना था। इस थीम ने भारत की उस यात्रा को रेखांकित किया जिसमें पारंपरिक कौशल और आधुनिक तकनीक के मेल से देश वैश्विक ज्वेलरी इंडस्ट्री का अग्रणी केंद्र बनकर उभरा है। भारतीय निर्यात के लिए सकारात्मक संकेत आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026 की सफलता ऐसे समय में सामने आई है जब भारत वैश्विक ज्वेलरी आपूर्ति श्रृंखला में अपनी हिस्सेदारी लगातार बढ़ा रहा है। अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की बढ़ती भागीदारी, नए बाजारों से प्राप्त रुचि और भारतीय निर्माताओं की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता ने संकेत दिया है कि आने वाले वर्षों में भारतीय जेम्स एवं ज्वेलरी निर्यात को नई गति मिल सकती है। इंडस्ट्री विशेषज्ञों के अनुसार यह

किरीट भंसाली
चेयरमैन-जीजेईपीसी

आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026 वैश्विक जेम्स एवं ज्वेलरी इंडस्ट्री का सबसे विश्वसनीय और गतिशील केंद्र है। देश के 1300 से अधिक शहरों और 80 से अधिक देशों से आए खरीदारों ने भारतीय इंडस्ट्री की गुणवत्ता, नवाचार और निर्माण क्षमता पर अपना भरोसा जताया है। इस वर्ष हमने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की रिकॉर्ड रुचि देखी।

आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026 केवल ज्वेलरी बिजनेस की एक व्यापिरिक एग्जीबिशन नहीं, बल्कि भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री की सामूहिक शक्ति , रचनात्मकता और उद्यमशीलता का उत्सव है, यह भी साबित हो गया है। इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो (आइआइजेएस) भारत प्रीमियर-2026 भारतीय जेम एवं ज्वेलरी इंडस्ट्री की बढ़ती वैश्विक ताकत का सबसे बड़ा प्रमाण बनकर उभरा है।

आयोजन केवल व्यापारिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने भारत को वैश्विक ज्वेलरी हब के रूप में और अधिक मजबूत पहचान दिलाने का कार्य किया।

ज्वेलरी सेक्टर से जुड़े अन्य उद्योगों को विकास के लिए आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026 के साथ-साथ आइजीजेएमई भारत प्रीमियर-2026 (इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी मशीनरी एक्सपो) का भी आयोजन किया गया। इस मंच पर अत्याधुनिक मशीनरी, विनिर्माण तकनीक, ऑटोमेशन, डिजिटल डिजाइनिंग और उत्पादन दक्षता बढ़ाने वाले समाधानों का प्रदर्शन किया गया। इससे इंडस्ट्री को तकनीकी उन्नयन और उत्पादकता बढ़ाने के नए अवसर प्राप्त हुए। जीजेईपीसी ने विदेशी खरीदारों की भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम संचालित किए। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को होटल आवास, शटल सेवाएं, बिजनेस नेटवर्किंग सुविधाएं और विशेष लाउंज उपलब्ध कराए गए। इससे वैश्विक खरीदारों को भारतीय निर्माताओं के साथ सीधे व्यापारिक संबंध स्थापित करने में सुविधा मिली। जीजेईपीसी की 'वन अर्थ इनिशिएटिव' भी आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा रही। परिषद द्वारा प्रदर्शकों, आगंतुकों और सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह पहल इंडस्ट्री को टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास है। कुल मिलाकर कहा जाए, तो, आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026 ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि भारतीय जेम्स एवं ज्वेलरी इंडस्ट्री विश्व बाजार में नेतृत्व की स्थिति हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2100 से अधिक प्रदर्शकों, 3600 से अधिक स्टॉल्स, 50000 से ज्यादा व्यापारिक आगंतुकों और 80 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ यह आयोजन भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री की शक्ति, संभावनाओं और वैश्विक स्वीकार्यता का भव्य उत्सव बन गया।

जीजेईपीसी के सफल आयोजन, इंडस्ट्री की सकारात्मक कारोबारी प्रतिक्रिया और व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहभागिता ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक ज्वेलरी व्यापार का सबसे प्रभावशाली केंद्र बनने की दिशा में और मजबूत कदम बढ़ाएगा। द जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के सीनियर पदाधिकारियों सहित मुंबई के ज्वेलरी बिजनेस के कई बड़े लोगों का कहना है कि इस आयोजन ने हमें नए बाजारों तक पहुंचने और अपने ब्रांड की वैश्विक पहचान को मजबूत करने का अवसर दिया। आइआइजेएस वास्तव में भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री का सबसे प्रभावशाली व्यवसायिक मंच बन चुका है। इस बाबर के इस शो ने हमें एक ही स्थान पर ज्वेलरी इंडस्ट्री की नवीनतम प्रवृत्तियों, डिजाइनों और उत्पाद श्रेणियों को देखने का अवसर दिया।

शौनक पारीख
वाइस चेयरमैन-जीजेईपीसी

इस शो के दौरान प्राप्त व्यावसायिक प्रतिक्रिया और ऑर्डर्स ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री आने वाले वर्षों में वैश्विक बाजार में और मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। विशेष रूप से रिटेलर्स और विदेशी प्रतिनिधि मंडलों की सक्रिय भागीदारी ने भारतीय निर्माताओं के लिए नए व्यापारिक अवसरों के द्वार खोले हैं।

निरव भंसाली
सीओए सदस्य-जीजेईपीसी

आइआइजेएस ने इंडस्ट्री के भविष्य को नई दिशा देने का कार्य किया है। आधुनिक डिजाइन, अत्याधुनिक तकनीक, लैब-ग्रोन डायमंड्स और प्रीमियम ज्वेलरी श्रेणियों में मिले उत्साहजनक प्रतिसाद से यह स्पष्ट है कि भारत वैश्विक मांग के अनुरूप तेजी से विकसित हो रहा है।

सब्यासाची रे
एक्जिकेटिव डायरेक्टर-जीजेईपीसी

आइआइजेएस भारत प्रीमियर-2026 हमारे लिए असाधारण रूप से सफल रहा। देशभर के प्रमुख रिटेलर्स और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के साथ व्यापार का अवसर मिला। शो के दौरान प्राप्त ऑर्डर्स और भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं में सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि दुनिया ने भारतीय डिजाइन, गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता में गहरा विश्वास व्यक्त किया।

Swarn Shilp Chains & Jewellers Pvt. Ltd.

Royal Chain Pvt. Ltd.

Shringar House of Mangalsutra

Aradhana Jewellers Pvt. Ltd.

Shashwat Ornaments Pvt. Ltd.

Diarah Jewels (Silver Emporium)

Chains Corner Jewellery (I) Pvt. Ltd.

Ansaa Jewellers (P) Ltd.

Shine Shilpi

SK Seth Jewellers (Mohanlal Seth)

Raj Jewellers

Master Chains & Jewels

Shanti Gold International Ltd.

Shilpi Jewels

Munot Ornaments Annex Pvt. Ltd.

Sangam House of Jewels

V Chains

Mukti Gold & Diamonds

IIJS BHARAT PREMIERE - 2026

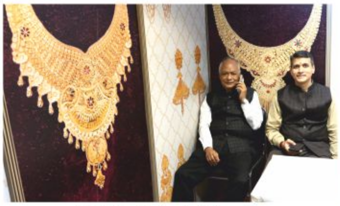

ML Kanhaiyalal Jewels

Laxmi Diamonds

Viera CZ Jewellery

Girvaan (Silver Emporium)

Laxmi Gold

HMT Ornaments

Brahmmand

Aureza Sangam

Swarn Shree Chains & Jewellery Pvt. Ltd.

SK Jewellers Pvt. Ltd.

Raj Diamonds

Payal Gold Pvt. Ltd.

SS Gems Jewellery

S.K. Seth Co. Jewellers

Bhavani Gold

Aakar Jewells

LK Jewels

Munni Gold

Diamond Creations Pvt. Ltd.

Nakoda Jewels

Trident Corporation

Bhavika Jewellers

Shankesh Jewellers Ltd.

Manak Jewellers Pvt. Ltd.

R Kothari & Co. Jewellers

Sky Chains

Pooja Gold & Ornaments Pvt. Ltd.

M. Mehta and Sons

B D Bangles

Kanakratna Exim Pvt. Ltd.

Hreenkar Jewellers

Kalptaru Jewels

Sonigara Gold

Kanak Jewels

G. M. Gold Pvt. Ltd.

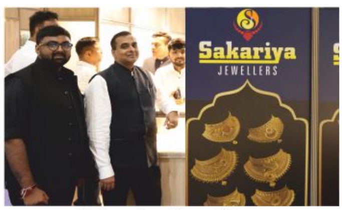

Sakariya Jewellers

Samruddhi Jewelcraft Pvt. Ltd.

Surana Silver House

Tresore

M. Mehta and Sons

LUV Diamonds

Shubham Silver

Sheaura Jewels

MangalMani Jewellers Ltd.

Sangam Chains N Jewels

Veer Jewellers

Mangasutram

Emerald

OP Jewellers

Dishaa Platinum & Gold

Mithali Gold

Shah Vanaji Kesaji & Co.

Harsh Gold Pvt. Ltd.

Amayra Creation

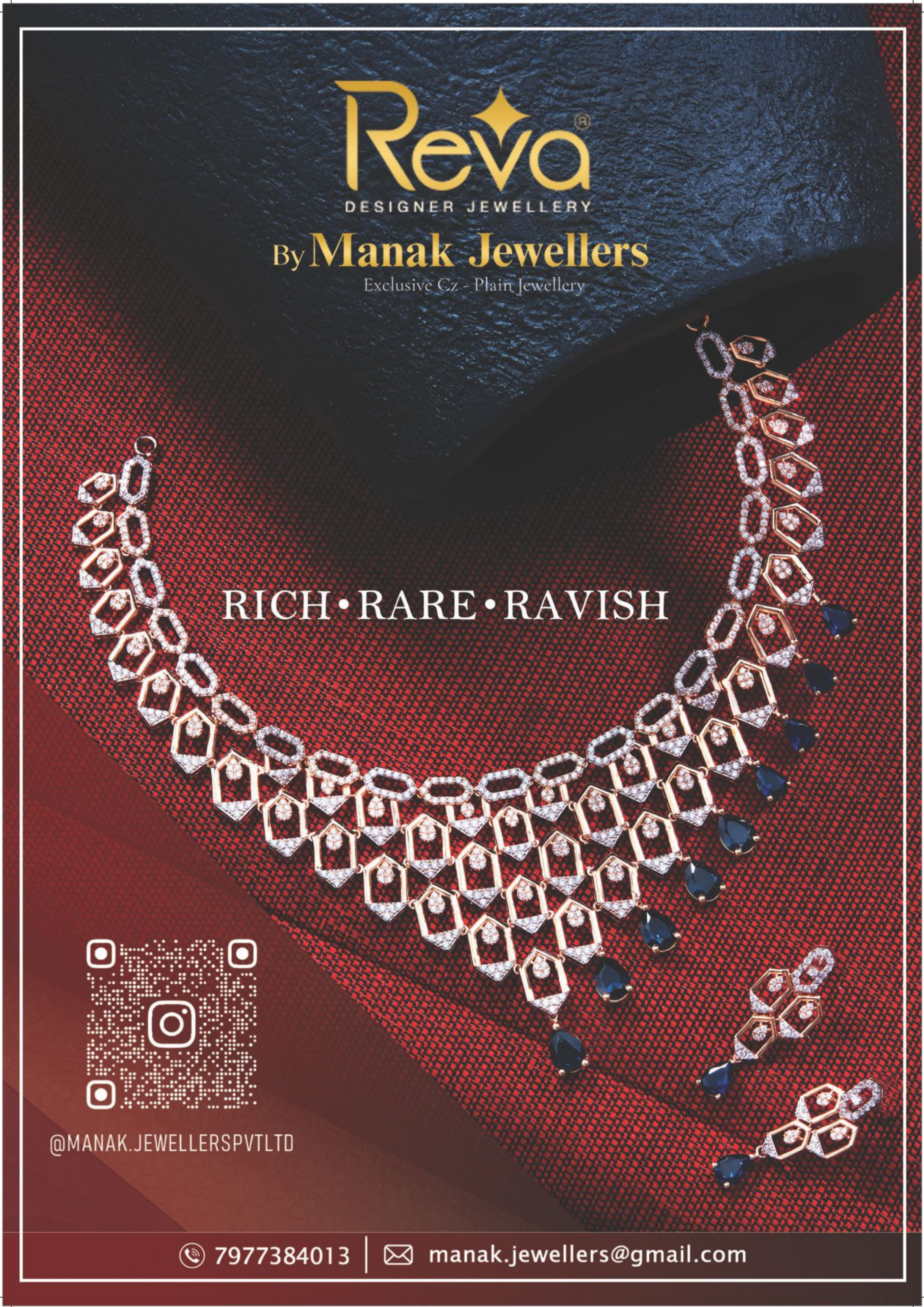
Reva®
DESIGNER JEWELLERY
By Manak Jewellers
Exclusive Cz - Plain Jewellery
RICH • RARE • RAVISH
@MANAK.JEWELLERSPVTLTD
7977384013
manak.jewellers@gmail.com

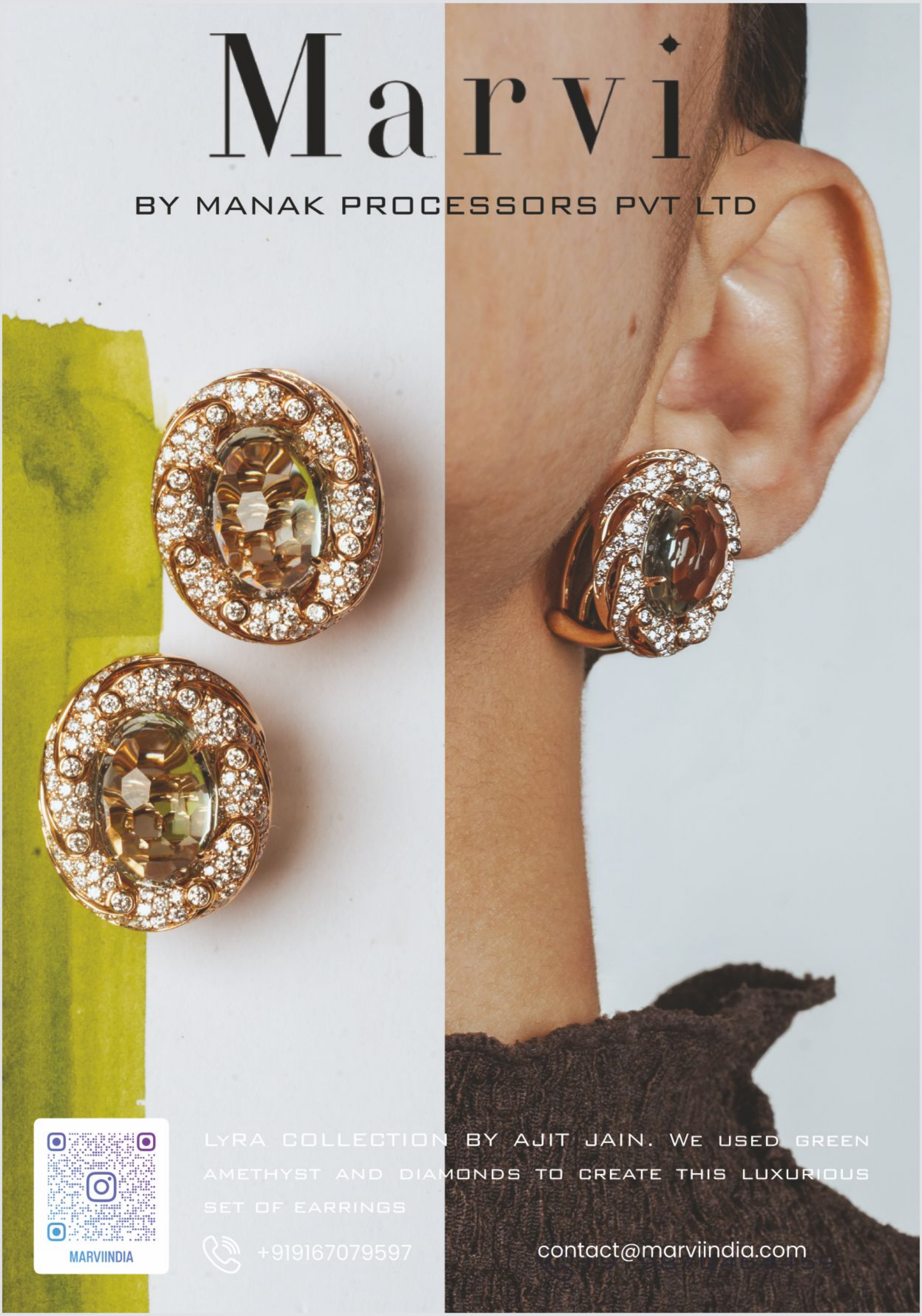
Marvi
BY MANAK PROCESSORS PVT LTD
MARVIINDIA
LYRA COLLECTION BY AJIT JAIN. WE USED GREEN AMETHYST AND DIAMONDS TO CREATE THIS LUXURIOUS SET OF EARRINGS
+919167079597
contact@marviindia.com

डॉ. चेतन कुमार मेहता ने IBJA के प्रेसिडेंट-ज्वैलरी डिवीजन पद से दिया इस्तीफा

मुंबई। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट-ज्वैलरी डिवीजन डॉ. चेतन कुमार मेहता ने अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने IBJA के नेशनल प्रेसिडेंट पृथ्वीराज कोठारी को भेजे अपने पत्र में पिछले पांच वर्षों के दौरान संगठन से मिले सहयोग, विश्वास और अवसरों के लिए आभार व्यक्त किया।

डॉ. मेहता ने कहा कि IBJA के साथ अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने विशेष रूप से दक्षिण भारत में संगठन की पहुंच बढ़ाने, नए प्लेटिनम सदस्यों को जोड़ने और ज्वैलरी बिरादरी को एकजुट करने के लिए कार्य किया। उनके अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में संगठन की पहुंच और नेटवर्क में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जो सामूहिक प्रयास और टीमवर्क का परिणाम है।

ज्वैलरी सेक्टर की भूमिका को लेकर जताई चिंता

डॉ. मेहता ने अपने पत्र में कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य और निराशा हुई कि IBJA की भूमिका को मुख्य रूप से बुलियन और उससे संबंधित नीतिगत मामलों तक सीमित रखने की बात सामने आई। उनका मानना है कि ज्वैलरी सेक्टर से जुड़े नीतिगत मुद्दों पर अन्य उद्योग संगठनों की भूमिका अपेक्षित है। हाल ही में घोषित IBJA ज्वैलरी अवॉर्ड्स को लेकर भी उन्होंने अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनके सुझावों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया, जबकि उनका उद्देश्य ज्वैलरी क्षेत्र के हित में रचनात्मक योगदान देना था।

डॉ. चेतन कुमार मेहता

पद से अधिक महत्वपूर्ण आत्मसम्मान

डॉ. मेहता ने कहा कि किसी भी पद का महत्व तभी है, जब उस पद के माध्यम से सार्थक और स्वतंत्र रूप से योगदान देने का अवसर मिले। उनके अनुसार, आत्मसम्मान और गरिमा किसी भी पद या उपाधि से अधिक महत्वपूर्ण हैं। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने ज्वैलरी डिवीजन के प्रेसिडेंट पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया।

उद्योग के प्रति प्रतिबद्धता जारी रहेगी

इस्तीफा देने के बावजूद डॉ. मेहता ने स्पष्ट किया कि ज्वैलरी उद्योग के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पहले की तरह बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में भी उद्योग और अपने सहयोगियों के विकास, प्रगति और सफलता के लिए उसी जुनून और समर्पण के साथ काम करते रहेंगे। उन्होंने IBJA नेतृत्व और पूरी टीम के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. चेतन कुमार मेहता वर्तमान में लक्ष्मी डायमंड्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर तथा ज्वैलर्स एसोसिएशन बेंगलुरु (JAB) के प्रेसिडेंट भी हैं।

मुख्य बातें:

- IBJA के प्रेसिडेंट-ज्वैलरी डिवीजन पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा।
- पिछले पांच वर्षों में संगठन के विस्तार और सदस्यता बढ़ाने में योगदान।
- ज्वैलरी सेक्टर से जुड़े नीतिगत मामलों को लेकर चिंता।
- IBJA ज्वैलरी अवॉर्ड्स में सुझावों को पर्याप्त महत्व नहीं मिलने पर निराशा।
- ज्वैलरी उद्योग के प्रति भविष्य में भी सक्रिय रूप से योगदान जारी रखने की प्रतिबद्धता।

लक्ष्मी डायमंड्स ने आईआईजेएस भारत प्रीमियर 2026 में पेश किया 'रीति-रिवाज कलेक्शन'

मुंबई। लक्ष्मी डायमंड्स ने आईआईजेएस भारत प्रीमियर 2026, नेस्को में अपने नवीनतम 'रीति-रिवाज कलेक्शन' का भव्य अनावरण किया। इस अवसर पर आभूषण उद्योग की कई प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी रही। कलेक्शन के लॉन्च का नेतृत्व लक्ष्मी डायमंड्स, बेंगलुरु के सीएमडी डॉ. चेतनकुमार मेहता ने किया।

लॉन्च समारोह में कल्याण ज्वेलर्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजेश कल्याणारमन, जीजेसी के चेयरमैन राजेश रोकड़े, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर निशाद ए.के., थंगमयिल ज्वेलरी के पार्टनर बा रमेश, पीएनजी ज्वेलर्स के सीएमडी डॉ. सौरभ गाडगिल, भीमा ज्वेलरी के मैनेजिंग डायरेक्टर एम.एस. सुहास, डीपी ज्वेलर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर विकास कटारिया, नवरत्न ज्वेलर्स के महेंद्र बाफना सहित उद्योग जगत की अनेक प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। इस अवसर पर विंसमेरा ज्वेल्स के डायरेक्टर दिनेश काम्ब्रथ एवं मनोज काम्ब्रथ, जीजेईपीसी के रीजनल चेयरमैन महेंद्र टायल, चेल्लानी ज्वेलरी मार्ट के एमडी जयंतिलाल चेल्लानी, जॉयआलुक्कास ग्रुप के सुरेश वी.एन., मनोज वैभव ज्वेलर्स के डायरेक्टर ए. सुरेश तथा आभूषण ज्वेलर्स के महावीर बोहरा समेत कई अन्य उद्योग प्रतिनिधि मौजूद थे। 'रीति-रिवाज कलेक्शन' को पारंपरिक भारतीय विरासत और आधुनिक आभूषण शिल्प के समन्वय के रूप में प्रस्तुत किया गया। कलेक्शन की भव्यता और डिजाइन को रिटेलर्स तथा आभूषण उद्योग से जुड़े दिग्गजों की ओर से उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिली। इस लॉन्च ने आईआईजेएस भारत प्रीमियर 2026 की प्रमुख आकर्षणों में एक और उपलब्धि जोड़ दी।

IIJS भारत प्रीमियर 2026 में दिशा गोल्ड एंड प्लेटिनम ने लॉन्च किए PT MINE और DIAGO कलेक्शन

मुंबई। आईआईजेएस भारत प्रीमियर 2026 के दौरान दिशा गोल्ड एंड प्लेटिनम ने INDRA बूथ पर अपने दो नए प्राकृतिक हीरा आभूषण कलेक्शन PT MINE और DIAGO का भव्य अनावरण किया। दिशा गोल्ड एंड प्लेटिनम, INDRA पहल का पार्टनर निर्माता है, जिसे डी बीयर्स (De Beers) और जीजेईपीसी (GJEPC) द्वारा शुरू किया गया है।कंपनी ने PT MINE के माध्यम से प्लेटिनम एवं प्राकृतिक हीरों से निर्मित आभूषणों की नई श्रृंखला तथा DIAGO के जरिए सोना और प्राकृतिक हीरों पर आधारित विशेष

कलेक्शन पेश किया। दोनों कलेक्शन प्राकृतिक हीरों की शाश्वत चमक और आकर्षण को नई डिजाइन भाषा के साथ प्रस्तुत करते हैं। इन कलेक्शनों के एक्सक्लूसिव सेलिंग राइट्स दिशा गोल्ड एंड प्लेटिनम को प्रदान किए गए हैं। इस लॉन्च समारोह में जोस अलुक्कास के प्रबंध निदेशक पॉल अलुक्कास, जॉन अलुक्कास तथा डी बीयर्स इंडिया की कंट्री हेड (कैटेगरी मार्केटिंग) तोरंज मेहता सहित ज्वेलरी उद्योग के अनेक प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे। दिशा गोल्ड एंड प्लेटिनम की ओर से कमलेश पोखरना ने कंपनी का प्रतिनिधित्व किया।

IIJS भारत प्रीमियर 2026 में इन नए कलेक्शनों के लॉन्च को प्राकृतिक हीरा आभूषण श्रेणी में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है, जिससे बाजार में प्रीमियम एवं नवाचार आधारित ज्वेलरी विकल्पों का विस्तार होने की उम्मीद है।

नेशनल ज्वेलरी अवॉर्ड्स के 15वें संस्करण की घोषणा

GJC | ALL INDIA GEM AND JEWELLERY DOMESTIC COUNCIL

PROMOTING | PROTECTING | PROGRESSING

https://www.gjc.org.in/NJA_Awards/login.php

मुंबई। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (GJC) ने प्रतिष्ठित नेशनल ज्वेलरी अवॉर्ड्स (NJA'26) के 15वें संस्करण की घोषणा की है। भारतीय रत्न एवं आभूषण उद्योग में उत्कृष्टता, नवाचार, डिजाइन, कारीगरी और उद्यमिता को सम्मानित करने वाले इन पुरस्कारों के लिए देशभर के ज्वेलर्स, डिजाइनर्स, महिला उद्यमियों और विद्यार्थियों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 22 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है।

NJA'26 में ज्वेलरी डिजाइन, उत्कृष्ट कारीगरी, मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल, ब्रांडिंग और बिजनेस इनोवेशन सहित उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों को सम्मानित किया जाएगा। इस संस्करण में पांच प्रमुख अवॉर्ड सेगमेंट के अंतर्गत 12 श्रेणियां और 28 सब-कैटेगरी शामिल हैं। विजेताओं की घोषणा 3 अक्टूबर 2026 को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इंडिया जेम एंड ज्वेलरी शो (GJS) दिवाली एडिशन के दौरान की जाएगी।

जीजेसी के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा कि NJA देशभर की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान देने का महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि डिजाइन, कारीगरी और नवाचार को सम्मानित करने के साथ यह पुरस्कार 'मेक इन इंडिया' की भावना को मजबूत करते हैं और भारतीय ज्वेलर्स की क्षमता को देश-दुनिया के सामने रखते हैं। जीजेसी के वाइस चेयरमैन अविनाश गुप्ता ने कहा कि NJA ने भारतीय ज्वेलरी उद्योग के विकास और प्रतिभाओं को पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि पुरस्कार उद्योग में उत्कृष्टता और नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देते हैं। NJA के कन्वीनर सुनील पोद्दार ने कहा कि 15वें संस्करण के साथ उत्कृष्ट प्रतिभाओं को पहचानने की प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है।

पुरस्कार कारीगरों, डिजाइनर्स और उन विजनरी लोगों को सामने लाता है, जिनकी रचनात्मकता और नवाचार उद्योग के भविष्य को आकार दे रहे हैं। NJA के ज्वाइंट कन्वीनर रूपेश तांबी ने बताया कि इस वर्ष भी चयन प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार होगी। उन्होंने कहा कि अर्न्स्ट एंड यंग (EY) की स्वतंत्र प्रक्रिया सलाहकार के रूप में भागीदारी पुरस्कारों की विश्वसनीयता को और मजबूत करती है।

वहीं NJA के ज्वाइंट कन्वीनर सुमीत आनंद ने कहा कि नेशनल ज्वेलरी अवॉर्ड्स वर्षों में विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा का मानक बन चुके हैं। 15वां संस्करण उद्योग की रचनात्मकता, जुनून और ईमानदारी को सम्मानित करने का अवसर है। पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया में उद्योग के अनुभवी विशेषज्ञों, उद्यमियों और सलाहकारों की ज्यूरी प्रविष्टियों का मूल्यांकन करेगी। डिजाइन, मौलिकता, कारीगरी, फिनिशिंग, नवाचार, गुणवत्ता और बाजार प्रभाव जैसे मानकों पर प्रविष्टियों का आकलन किया जाएगा।

ANSAA
JEWELLERS (P) LTD.

Office No. 23 & 24 2nd Floor, 118, Kansara Chawl Co-op. Hsg. Society Limited
Kalbadevi Road, Near Surti Hotel, Bhuleshwar, Mumbai-400 002.
Tel.: +91 (22) 22411244 / 1245 / Email : kantipshah@gmail.com
Website : www.ansaajewellers.com Intercom : 4003 & 3607

Vaani 18
(18KT Gold Jewellery)

Shashwat
Ornaments
Pvt. Ltd.

SANGAM
CHAINS N JEWELS
(Unit of Shashwat Ornaments Pvt. Ltd.)

SHASHWAT ORNAMENTS

SANGAM CHAINS N JEWELS

FOLLOW US ON INSTAGRAM !

Head Office : G4 Melestar House , 2nd floor, MIDC Cross Road - A, Near Marol Bus Depot, Andheri(East), Mumbai -400093

Branches : DD Jewels Market, 4th floor, 1st Agyari Lane, Zaveri Bazar, Opp Khau Galli, Mumbai-400003

Branches : Thrissur (Kerala), BDB BKC (Mumbai)

JEWELS
JEWELS
JEWELS
Premium Men's Collection
VR JEWELS
VR JEWELS
From The House Of Viera CZ Jewellery
Office No. 31, 2nd Floor, Hanuman Building, 67 Tambakata, Pydhoni, Mumbai 400003.
Tel: +91 22 49612089 |I.com : 8396 |Email: Vrjewels2026@gmail.com
+91 9167307501 | /VIERACZ | /VIERACZ

Madhuban Toyota
A fresh experience in customer delight

TOYOTA

FEEL THE Awesome BEAT

TOYOTA
PRESENTS
DRUMTAO

INTRODUCING
AERO EDITION

SCAN TO KNOW MORE

STARTING FROM ₹10.94 LAKH*

Kurla / Bandra / Lower Parel / Breach Candy / Badlapur
0224243 1999 / +9198197 97976

*T&C apply. Creative visualization. Digitally created visual. Picture of vehicle was not taken while driving.

ADVANCED.
HYBRID.
Awesome

URBAN CRUISER
HYRYDER
SELF-CHARGING HYBRID ELECTRIC SUV

TOYOTA
U TRUST
Buy | Sell | Exchange - Used cars

नामीबिया प्रतिनिधिमंडल ने भारत के साथ प्रत्यक्ष हीरा व्यापार की संभावनाएं तलाशीं

मुंबई। नामीबिया के उद्योग, खान एवं ऊर्जा मंत्रालय की उप मंत्री गौडेंटिया क्रोने के नेतृत्व में एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने 11 अगस्त को मुंबई का दौरा कर भारत के हीरा उद्योग के साथ प्रत्यक्ष व्यापार एवं सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने जीजेईपीसी कार्यालय, भारत डायमंड बोर्स (बीडीबी) और इंडियन डायमंड ट्रेडिंग सेंटर (आईडीटीसी) का दौरा किया तथा बीडीबी की प्रबंध समिति और जीजेईपीसी नेतृत्व के साथ बैठक की। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने सीमा शुल्क सुविधाओं और अन्य संबंधित बुनियादी ढांचे का भी जायजा लिया।

प्रतिनिधिमंडल में डायमंड अफेयर्स की डिप्टी डायरेक्टर रेहाबेम नेपाया, डायमंड इंस्पेक्टर सेक्रेट रूहाका एवं टाइटस अमुकवेले तथा मुंबई में नामीबिया के मानद कौंसिल बी सी जैन शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत जीजेईपीसी के डायमंड पैनल के कन्वीनर अनूप मेहता, सदस्य आशीष बोर्डा एवं भारत घोरी तथा जीजेईपीसी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सत्यबाची राय ने किया। उप मंत्री गौडेंटिया क्रोने ने कहा कि नामीबिया के पास दुनिया के बेहतरीन गुणवत्ता वाले हीरे हैं। उन्होंने भारत द्वारा विकसित व्यापारिक मंच के माध्यम से नामीबियाई हीरों को भारत में प्रदर्शित करने और बेचने की संभावनाओं पर जोर दिया।

2025 में नामीबिया का हीरा उत्पादन 20.9 लाख कैरेट रहा, जिसका उत्पादन मूल्य 72.14 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा। देश का औसत मूल्य 343.88 डॉलर प्रति कैरेट रहा। वैश्विक रफ डायमंड उत्पादन में नामीबिया की हिस्सेदारी करीब 8 प्रतिशत रही और मूल्य के आधार पर वह दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा हीरा उत्पादक रहा। 2025 में भारत ने 106.09 मिलियन कैरेट रफ डायमंड का आयात किया, जिसका मूल्य 11.07 अरब डॉलर रहा। वैश्विक आयात में भारत की हिस्सेदारी मात्रा के आधार पर 40.24 प्रतिशत और मूल्य के आधार पर 43.25 प्रतिशत रही। भारत के नए टैक्स फ्रेमवर्क के तहत स्पेशल नोटिफाइड जोन में रफ डायमंड की बिक्री पर 1 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2041 तक 15 वर्षों की आयकर छूट का प्रावधान किया गया है। इससे भारत की वैश्विक रफ डायमंड ट्रेडिंग हब के रूप में स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद है।

नामीबिया के उच्च गुणवत्ता वाले रफ डायमंड और भारत की विशाल प्रोसेसिंग क्षमता, बेहतर बुनियादी ढांचे तथा दीर्घकालिक व्यापारिक अवसर दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष हीरा व्यापार को नई दिशा दे सकते हैं।

SBS
SHRI BHAIRAV SHRI
JEWELLERS
✦ Premium Designs. ✦ ✦ Transparent Wastage. ✦
✦ Trusted Quality. ✦
CHAIN & JEWELLERY
1165/1103. 1st Floor,
New Building, Kucha Mahajani, Chandani Chowk, New Delhi
Tel.011-61331604, 011-41635570
9910392947, 9152655525

ANIL JAIN
+91 9920813290
KARTIK JAIN
+91 9819745555
KISHORE JAIN
+91 7021722856
SLIM
SLIM
TRESORIÉ
A KEADUBG MANUFACTURER & WHOLESALER IN 92.5 SILVER JEWELLERY
609 - Jewel World, 6th Floor, Cotton Exchange,Near Surti Hotel, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002. (India)
E : tresorie8@gmail.com | For Orders Whatsapp : +91 9920813290 / 9819745555
Makeindia : Support our local business & help India grow

ज्वेलरी इंडस्ट्री का बदलता परिदृश्य

डिजाइन में बदलाव, नई परंपरा, और लाइट वेट में भविष्य

भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ आगे बढ़ रही हैं। कभी केवल गोल्ड और डायमंड की भारी ज्वेलरी तक सीमित रहने वाली यह इंडस्ट्री अब डिज़ाइन, तकनीक, हल्के वजन की ज्वेलरी, नई ड्ढ नई धातुओं और बदलती उपभोक्ता पसंद के अनुरूप स्वयं को लगातार बदल रही है। वैश्विक बाजार में भारत की पहचान एक प्रमुख ज्वेलरी निर्माता और एक्सपोर्टक के रूप में स्थापित हो चुकी है। दूसरी ओर, देश का विशाल घरेलू बाजार ज्वेलरी इंडस्ट्री को स्थिरता और निरंतर मांग प्रदान कर रहा है। गोल्ड, सिल्वर और डायमंड की बढ़ती कीमतें, बदलती जीवन शैली, युवा ग्राहकों की नई पसंद, डिजिटल बिक्री और अंतरराष्ट्रीय कंपीटिशन ने ज्वेलरी इंडस्ट्री के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। लेकिन यही चुनौतियां नए अवसर भी लेकर आई हैं। भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री अब केवल पारंपरिक कारोबार नहीं, बल्कि नए नए प्रयोगों, ब्रांडिंग, डिज़ाइन और वैश्विक विस्तार का प्रतीक बनता जा रहा है।

भारत को विश्व के सबसे बड़े ज्वेलरी बाजारों में गिना जाता है। गोल्ड, सिल्वर और डायमंड–तीनों क्षेत्रों में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश न केवल विश्व के सबसे बड़े ज्वेलरी उपभोक्ता बाजारों में शामिल है, बल्कि ज्वेलरी निर्माण और एक्सपोर्ट का भी प्रमुख केंद्र है। विशेष रूप से कट और पॉलिश किए गए डायमंड के क्षेत्र में भारत की वैश्विक हिस्सेदारी बेहद मजबूत रही है। देश की लगभग 150 करोड़ की आबादी, विवाह, त्योहार और हमारी पुरातन सांस्कृतिक परंपराएं ज्वेलरी की मांग को निरंतर बनाए रखती हैं। इसलिए भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री को ग्राहकों की कमी की चिंता नहीं होती। असली चुनौती बदलती उपभोक्ता पसंद और फैशन ट्रेंड्स के साथ तालमेल बैठाने की है। आज का ग्राहक पारंपरिक डिज़ाइन के साथ आधुनिक स्टाइल भी चाहता है। यही कारण है कि ज्वेलर्स को लगातार नए कलेक्शन,

भारत दुनिया का सबसे बड़ा ज्वेलरी बाजार है, लेकिन ज्वेलरी बिजनेस में लगातार नए नए बदलन हो रहे हैं। हालांकि ज्वेलरी एक्सपोर्ट और आईआईजेएस जैसी एग्जिबिशन ज्वेलरी इंडस्ट्री के विकास की मजबूत तस्वीर पेश करते हैं। लेकिन भारतीय ज्वेलरी का बदलता स्वरूप जो स्वीकार करेगा, वही भविष्य की दिशा तय करेगा।

नए डिज़ाइन और नई तकनीकों को अपनाना पड़ रहा है। भविष्य उसी का होगा जो तेजी से बदलती पसंद को समझेगा। द जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री ने समय-समय पर वैश्विक परिस्थितियों का सामना करते हुए भी अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी है। कुछ वर्षों में वैश्विक आर्थिक सुस्ती, मांग में कमी या राजनीतिक तनावों से कभी कभार एक्सपोर्ट में अस्थायी गिरावट अवश्य दर्ज हुई, लेकिन दीर्घकालिक प्रवृत्ति वृद्धि की रही है। भारत आज भी विश्व के प्रमुख ज्वेलरी एक्सपोर्टर्स में शामिल है। इसी प्रकार आईआईजेएस जैसी एग्जिबिशन के हर वर्ष पहले से अधिक बड़े स्तर पर 3 विशाल शो आयोजित हो रहे हैं। इनमें देश-विदेश से हजारों खरीदार, निर्माता और एक्सपोर्टर भाग लेते हैं तथा करोड़ों रुपये के व्यापारिक समझौते होते हैं। पिछले कुछ वर्षों में एग्जिबिशन का आकार, प्रतिभागियों की संख्या और व्यापारिक गतिविधियां लगातार बढ़ी हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति और मजबूत कर रहा है।

गोल्ड की लगातार बढ़ती कीमतों ने उपभोक्ताओं की ज्वेलरी खरीदारी की आदतों में बड़ा बदलाव ला दिया है। पहले जहां 22 कैरेट की भारी ज्वेलरी सबसे अधिक पसंद की जाती थी, वहीं अब हल्के वजन की ज्वेलरी तेजी से लोकप्रिय हो रही है। 18 कैरेट, 14 कैरेट, 12 कैरेट और कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 9 कैरेट ज्वेलरी की मांग लगातार बढ़ रही है। लाइट वेट होने के कारण इनकी कीमत अपेक्षाकृत कम रहती है और आधुनिक डिज़ाइन इन्हें युवा ग्राहकों के बीच अधिक आकर्षक बनाते हैं। नई पीढ़ी के कई ज्वेलर्स भी लाइट वेट ज्वेलरी की इसी दिशा में काम कर रहे हैं। उनका मानना है कि भविष्य केवल मेटल के वजन में नहीं, बल्कि डिज़ाइन, उपयोगिता और फैशन में है। लाइट वेट ज्वेलरी ऑफिस, रोजमर्रा के उपयोग और आधुनिक जीवन शैली के अनुरूप भी है। इसलिए आने वाले वर्षों में लाइट वेट ज्वेलरी के प्रति ज्वेलरी उपभोक्ताओं की यह प्रवृत्ति और मजबूत होने की संभावना दिखाई देती है।

पिछले कुछ वर्षों में सिल्वर ज्वेलरी का बाजार उल्लेखनीय रूप से विकसित हुआ है। पहले सिल्वर ज्वेलरी को 'गरीब का गोल्ड' कहा जाता था और मुख्य रूप से पारंपरिक ज्वेलरी, सिक्कों और धार्मिक उपयोग तक सीमित माना जाता था, लेकिन अब इसकी पहचान

एक आधुनिक फैशन ज्वेलरी के रूप में भी बन रही है। ऑक्सीडाइज्ड सिल्वर, स्टर्लिंग सिल्वर, डिजाइनर सिल्वर और जेमस्टोन आधारित सिल्वर ज्वेलरी युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। वैश्विक स्तर पर भी सिल्वर ज्वेलरी की मांग लगातार बढ़ रही है क्योंकि यह गोल्ड की तुलना में अधिक किफायती और फैशनेबल विकल्प प्रदान करती है। भारत के निर्माता भी अंतरराष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखते हुए नए-नए डिज़ाइन और कलेक्शन तैयार कर रहे हैं। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया ने भी सिल्वर ज्वेलरी की लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। भविष्य में यह क्षेत्र भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली श्रेणियों में शामिल हो सकता है।

महंगे होते गोल्ड और सिल्वर के साथ-साथ कारीगरों की मजदूरी, निर्माण लागत और अन्य खर्चों में लगातार वृद्धि हुई है। इसका सीधा प्रभाव अंतिम उपभोक्ता की खरीदारी पर पड़ रहा है। अब ज्वेलरी खरीदने से पहले लोग उसकी क्वालिटी, डिज़ाइन, वजन और कीमतों आदि सभी पहलुओं पर पहले से अधिक विचार करते हैं। उपभोक्ता के मन में आए इसी इस बदलाव ने ज्वेलर्स को भी अपनी बिजनेस की रणनीति बदलने के लिए प्रेरित किया है। कई कंपनिया अब लाइट वेट, मॉड्यूलर डिज़ाइन, कस्टमाइज्ड ऑर्डर और मूल्य आधारित कलेक्शन पर अधिक ध्यान दे रही हैं। डिजिटल कैटलॉग, ऑनलाइन परामर्श और ओम्नी - चैनल बिक्री जैसे नए माध्यम भी तेजी से अपनाए जा रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि भविष्य का ज्वेलरी व्यापार केवल उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्राहक को बेहतर अनुभव और पर्सनल सेवा देना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा।

हमने देखा है कि नई पीढ़ी के ज्वेलर्स पारंपरिक व्यापारिक सोच से आगे बढ़कर ब्रांडिंग, अभिनव प्रयोग और कस्टमर्स के एक्सपीरियंस पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। उनका मानना है कि आज के कंपीटिशन भरे बाजार में केवल गोल्ड, सिल्वर, प्लेटिनम या डायमंड की ज्वेलरी बेचना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ग्राहकों को ऐसे डिज़ाइन देना आवश्यक है जो उनकी खास पहचान बन सके। आधुनिक उपभोक्ता कस्टमाइज्ड, लाइट वेट, मल्टी युजेबल ज्वेलरी और टाइमलेस डिज़ाइन चाहता है। इसलिए डिज़ाइन रिसर्च, थ्री-डी मॉडलिंग, कैड तकनीक और अंतरराष्ट्रीय फैशन ट्रेंड्स का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। हमारे बाजार के युवा उद्यमी सोशल मीडिया, डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन बिक्री के माध्यम से अपने ब्रांड को वैश्विक स्तर तक पहुंचा रहे हैं। इंडस्ट्री में अब यह धारणा मजबूत हो रही है कि आने वाले समय में डिज़ाइन ही सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धात्मक लाभ होगा। वास्तव में, ज्वेलरी की आत्मा उसकी डिज़ाइन में ही बसती है।

आने वाला वक्त लाइट वेट और कम कैरेट ज्वेलरी का है, उसकी बढ़ती मांग इस बात की गवाह है। सिल्वर ज्वेलरी में बी तेजी से उभरता बाजार भारत बन रहा है। लेकिन बदलती आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप बदलता व्यापार भी हमें सम्हालना है। युवा ज्वेलर्स की नई सोच और नए नए डिज़ाइन ही बाजार की सबसे बड़ी ताकत है।

नोविल राणावत

स्वर्णशिल्प चेन्स एण्ड ज्वेलरी प्रा. लि.

भारतीय ज्वेलरी उद्योग का सबसे बड़ा बदलाव ग्राहकों की सोच में आया है। पहले लोग केवल गोल्ड का वजन देखते थे, अब डिज़ाइन, फिनिशिंग और पहनने की सुविधा भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। नई पीढ़ी के ज्वेलर्स तकनीक और रचनात्मकता को अपनाकर वैश्विक बाजार के अनुरूप संग्रह तैयार कर रहे हैं। यही बदलाव आने वाले वर्षों में भारतीय ज्वेलरी उद्योग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

भारतीय ज्वेलरी की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है। कुंदन, पोल्की, जड़ाऊ, मीनाकारी, टेंपल ज्वेलरी, फिलिग्री, नवरत्न, जनजातीय ज्वेलरी और आधुनिक डायमंड सेट आदि हर शैली की अपनी अलग पहचान है। भारतीय ग्राहकों को आज भी ऐसी ज्वेलरी पसंद आती है जिसमें शाही भव्यता और सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाई दे। साथ ही नई पीढ़ी लाइट, मिनिमल और बहुउद्देश्यीय डिज़ाइनों की ओर भी आकर्षित हो रही है। भविष्य में ऐसी ज्वेलरी अधिक लोकप्रिय होंगी जो पारंपरिक सौंदर्य और आधुनिक उपयोगिता का संतुलित मेल प्रस्तुत करे। व्यक्तिगत पसंद के अनुरूप कस्टमाइज्ड ज्वेलरी, कलर स्टोन्स का बढ़ता उपयोग, लैब-ग्रोन डायमंड, मिक्सड मेटल्स और डिजिटल डिज़ाइन आधारित ज्वेलरी कलेक्शन भारतीय बाजार की नई पहचान बन सकते हैं। बदलती जीवनशैली के साथ ज्वेलरी का स्वरूप भी लगातार विकसित होता रहेगा।

भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री आज वैश्विक प्रतिस्पर्धा, तकनीकी नवाचार और बदलती उपभोक्ता पसंद के बीच नए युग में प्रवेश कर चुकी है। विशाल घरेलू बाजार, मजबूत एक्सपोर्ट क्षमता, कुशल कारीगर और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। वहीं, बढ़ती कीमतें, बदलते फैशन ट्रेंड्स और नई पीढ़ी की अपेक्षाएं इंडस्ट्री को निरंतर नवाचार के लिए प्रेरित कर रही हैं। लाइट वेट ज्वेलरी, आधुनिक डिज़ाइन, सिल्वर और वैकल्पिक कैरेट ज्वेलरी का बढ़ता चलन भविष्य की दिशा तय करेगा। आने वाले वर्षों में वही ज्वेलर सबसे अधिक सफल होगा जो ज्वेलरी की परंपरागत आत्मा को बनाए रखते हुए उसमें आधुनिकता की मांग को समझेगा। भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री की यात्रा अब केवल गोल्ड-सिल्वर के व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रचनात्मकता, तकनीक, वैश्विक सोच और बदलती उपभोक्ता आकांक्षाओं के साथ नए स्वर्णिम अध्याय की ओर बढ़ रही है।

निखिल जैन

समृद्धि ज्वेलक्राफ्ट

भारत आज दुनिया का मजबूत जेम्स एंड ज्वेलरी मैन्युफैक्चरिंग हब है। एक्सपोर्ट के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन वैश्विक कंपीटिशन भी पहले से अधिक है। ऐसे समय में क्वालिटी, समय पर डिलीवरी और नए नए डिज़ाइन ही देंगे। मेरा मानना है कि भारतीय ज्वेलर्स अपनी कारीगरी और डिजाइन के दम पर वैश्विक बाजार में और मजबूत पहचान बनाएंगे।

क्रिश जैन

शांती गोल्ड इंटरनेशनल लि.

आज का ग्राहक लाइट वेट, स्टाइलिश और रोज़मर्रा में पहनी जा सकने वाली ज्वेलरी चाहता है। यही वजह है कि 18 कैरेट, 14 कैरेट और सिल्वर ज्वेलरी की मांग लगातार बढ़ रही है। डिज़ाइन अब केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि बिक्री का सबसे बड़ा आधार बन गया है। जो ज्वेलर बदलते ट्रेंड्स को जल्दी अपनाएगा, वही भविष्य में सबसे आगे रहेगा।

यश खाटेड

राज ज्वेलर्स ग्लोबल प्रा. लि.

ज्वेलरी इंडस्ट्री की सबसे बड़ी ताकत विशाल घरेलू बाजार और कुशल कारीगर हैं। रेट में वृद्धि के बावजूद ग्राहकों की रुचि खत्म बनी हुई है, लेकिन प्राथमिकताएं जरूर बदली हैं। अब वैल्यू फॉर मनी, आधुनिक डिज़ाइन और भरोसेमंद ब्रांड अधिक महत्वपूर्ण हैं। मेरा मानना है कि आने वाले वर्षों में कस्टमर्स का एक्सपीरियंस ही ज्वेलरी बिजनेस की वास्तविक पहचान बनेगा।

Queens & Kings

WHOLESALER IN EXCLUSIVE RANGE OF
92.5 SILVER JOULRIE

FOR WHATSAPP

15, 1st Floor, Plot No.55,
Raj Baug Estate, Mumbadevi Road,
Tambakata, Pydhonie,
Mumbai-400 003.

queenskings2024@gmail.com

queens_kings2024

Shankesh®
Jewellers Ltd.
WHERE ELEGANCE MEETS CONFIDENCE
MODERN ROYALTY
A statement of elegance beyond trends
101, Mumbadevi Chambers, 3rd Floor, Office No. 12, Zaveri Bazaar, Mumbai - 400002.
Tel - +91 22 2347 0009 / 08 E-mail - shankjewel@gmail.com / info@shankeshjewellers.com

सिल्वरः धैर्य की सबसे बड़ी परीक्षा

स्थिरता के दौर से नई चमक की ओर बढ़ने में वक्त लगेगा

सिल्वर केवल एक कीमती ज्वेलरी मेकिंग मेटल नहीं, बल्कि आधुनिक उद्योग, निवेश और परंपरागत भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार भी है। गोल्ड की तुलना में सिल्वर की कीमतों में उतार-चढ़ाव अधिक रहता है, क्योंकि इसकी मांग दोहरे स्वरूप की होती है। एक ओर यह निवेश का माध्यम है, तो दूसरी ओर उद्योगों के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल भी है। पिछले कुछ समय से सिल्वर की कीमतों में स्थिरता और सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिल रहा है। इससे बाजार में यह सवाल उठने लगा है कि क्या सिल्वर की अगली बड़ी तेजी अभी दूर है या फिर आने वाले महीनों में इसकी नई शुरुआत हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल सिल्वर का बाजार संतुलन बनाने की प्रक्रिया में है। यदि वैश्विक आर्थिक गतिविधियां मजबूत होती हैं, औद्योगिक मांग बढ़ती है और निवेशकों का भरोसा कायम रहता है, तो सिल्वर फिर से मजबूती की राह पकड़ सकती है। इसके साथ ही गोल्ड के महंगा होने के कारण इससे बनी ज्वेलरी में सेल तेजी से बढ़ रही है, इस वजह से भी तेजी आ सकती है। लेकिन इसकी तेजी की चाल गोल्ड की तुलना में अधिक अस्थिर रहती है, इसलिए ज्वेलर्स और निवेशकों, दोनों को धैर्य और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

सिल्वर की कीमतों को प्रभावित करने वाले कारण गोल्ड की तुलना में कहीं अधिक विविध प्रकार के हैं। वैश्विक युद्ध, क्षेत्रीय संघर्ष, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में बाधाएं और आर्थिक अनिश्चितता निवेशकों को सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर आकर्षित करती हैं, जिससे सिल्वर को भी समर्थन मिलता है। लेकिन सिल्वर की एक बड़ी विशेषता यह है कि इसकी कीमतें औद्योगिक गतिविधियों

सिल्वर पर सवाल है कि क्या सवा दो लाख रुपए प्रति किलो के आस पास की स्थिरता के बाद फिर चमकेगी सिल्वर की चमक? हम देख रहे हैं कि भारत में सिल्वर अपने ऑल टाइम हाई से 2 लीख रुपए नीचे ट्रेंड कर रह है, लेकिन फिर से ऊंची राह पकड़ने में समय क्यों लग सकता है? सिल्वर के रेट्स में जो उतार-चढ़ाव और वैश्विक युद्धों का असर दिख रहा है, वह और कितना चलेगा?

से भी गहराई से जुड़ी होती है। यदि वैश्विक स्तर पर औद्योगिक उत्पादन धीमा पड़ता है या उद्योगों में किसी कारणवश सिल्वर की डिमांड कमजोर होती है, तो सिल्वर की कीमतों पर नीचे का दबाव बन सकता है। वर्तमान समय में विभिन्न क्षेत्रों में जारी विभिन्न देशों के बीच राजनीतिक तनाव, ऊर्जा लागत में उतार - चढ़ाव और वैश्विक व्यापार की अनिश्चितता ने सिल्वर के ही नही गोल्ड तथा ज्वेलरी सहित इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन के बाजार को सावधान कर रखा है। दूसरी ओर, सोलर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमी-कंडक्टर उद्योगों की बढ़ती मांग सिल्वर को दीर्घकालिक समर्थन प्रदान कर रही है। यही कारण है कि बाजार में लगभग दो लाख रुपए प्रित किलो की गिरावट के बावजूद सवा दो लाख रुपए के भाव में भी सिल्वर की बुनियादी संभावनाएं अभी भी सकारात्मक बनी हुई हैं।

भारतीय बाजार में नवरात्रि, दशहरा, धनतेरस, दीपावली, कारित्क पूर्णिमा केवल धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि ज्वेलरी तथा गोल्ड व सिल्वर की खरीदारी के सबसे बड़े मौसम भी होते है। इन अवसरों के दौरान ज्यादा बड़े निवेशक भले ही गोल्ड खरीदते हैं, लेकीन ज्यादातर लोग सिल्वर के सिक्कों, बर्तनों, उपहारों और ज्वेलरी की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण होते है। इस बार भी व्यापार जगत को उम्मीद है कि त्योहारी मांग सिल्वर बाजार को सकारात्मक गति दे सकती है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि दीपावली तक सिल्वर में अच्छी तेजी संभव है, लेकिन इसके तुरंत अपने ऑल टाइम हाई सवा 4 लाख रुएप प्रति किलो ग्राम के रेट तक पहुंचने की संभावना अपेक्षाकृत सीमित दिखाई देती है। इसका कारण यह है कि सिल्वर की कीमतें केवल घरेलू मांग से नहीं, बल्कि वैश्विक औद्योगिक गतिविधियों और निवेशकों की धारणा से भी प्रभावित होती हैं। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार से सकारात्मक संकेत मिलते हैं और डॉलर में कमजोरी आती है, तो

त्यौहारी एवं विवाह के सीजन सहित दीपावली पर सिल्वर में तेजी की कितनी संभावना है? हर देश के लिए सिल्वर क्यों महत्वपूर्ण है? क्या कहते हैं सिल्वर इंडस्ट्री के जानकार और वैश्विक स्तर पर सिल्वर में फिर तेजी कब लौट सकती है? इन्हीं सवालों के जवाब में प्रसित है, आभूषण टाइम्स की यह पड़ताल, जो मार्केट रिसर्च पर आधारित है।

कल्पेश जैन
शुभम सिल्वर

सिल्वर फिलहाल एक संतुलन के दौर से गुजर रही है। कीमतों में उतार-चढ़ाव जरूर है, लेकिन बाजार की बुनियादी स्थिति मजबूत है। सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक क्षेत्रों से बढ़ती मांग आने वाले समय में सिल्वर को मजबूती दे सकती है। सिल्वर के खरीदारों को अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से घबराने के बजाय दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

दीपावली तक सिल्वर बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। फिर भी इसकी चाल गोल्ड की तुलना में अधिक उतार-चढ़ाव वाली रहने की संभावना है। सिल्वर केवल आभूषण बनाने तक सीमित नहीं है। आज यह आधुनिक उद्योगों की सबसे उपयोगी धातुओं में गिनी जाती है। इसकी उत्कृष्ट विद्युत और तापीय चालकता के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, बैटरी, मेडिकल उपकरण, दूरसंचार, रक्षा तकनीक और ऑटोमोबाइल उद्योग में इसका व्यापक उपयोग होता है। इसी वजह से विकसित और विकासशील दोनों प्रकार के देशों के लिए सिल्वर एक रणनीतिक धातु बन चुकी है। कई देश औद्योगिक उत्पादन को स्थिर बनाए रखने के लिए सिल्वर का आयात और भंडारण करते हैं। कुछ देशों में यह निवेश का माध्यम भी है, जबकि कई केंद्रीय बैंक और वित्तीय संस्थान अप्रत्यक्ष रूप से सिल्वर से जुड़े बाजारों पर नजर बनाए रखते हैं। ग्रीन एनर्जी की वैश्विक दौड़ ने भी दुनिया भर के लिए सिल्वर के महत्व को पहले से कहीं अधिक बढ़ा दिया है। आने वाले वर्षों में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार के साथ इसकी मांग और बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

वैश्विक बाजार में सिल्वर की अगली बड़ी तेजी कई आर्थिक और औद्योगिक कारकों पर निर्भर करेगी। यदि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरों में कमी आती है, औद्योगिक उत्पादन बढ़ता है और ग्रीन एनर्जी सेक्टर में निवेश तेज होता है, तो सिल्वर की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो सकती है। विशेष रूप से सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक वाहन और हाई-टेक इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग सिल्वर के सबसे बड़े उपभोक्ता बनते जा रहे हैं। इसके अलावा यदि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता बनी रहती है, तो निवेशकों की सुरक्षित धातुओं में रुचि भी बढ़ सकती है। सिल्वर इंडस्ट्री के विशेषज्ञों का मानना है कि सिल्वर की अगली बड़ी तेजी केवल निवेश मांग से नहीं, बल्कि औद्योगिक मांग के मजबूत होने से आएगी। इसलिए बाजार की दिशा वैश्विक आर्थिक विकास की गति से जुड़ी रहेगी। यदि ये सभी कारक अनुकूल रहे, तो आने वाले एक से दो वर्षों में सिल्वर नई मजबूती के साथ उभर सकती है।

भारतीय बाजार में सिल्वर फिलहाल अपने सर्वोच्च स्तर से लगभग दो लाख रुपये प्रति किलोग्राम नीचे कारोबार कर रहा है। यह बड़ा अंतर निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर जैसा दिखाई दे सकता है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इसकी रिकवरी गोल्ड की तुलना में धीमी हो सकती है। इसका प्रमुख कारण यह है कि सिल्वर की कीमतें निवेश के साथ-साथ वैश्विक औद्योगिक मांग पर भी निर्भर करती हैं। यदि विश्व अर्थव्यवस्था अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ती या औद्योगिक उत्पादन कमजोर पड़ता है, तो सिल्वर की मांग भी सीमित रह सकती है। इसके अलावा बाजार में पर्याप्त आपूर्ति और मुनाफावसूली का दबाव भी कीमतों को नियंत्रित रख सकता है। इसलिए सिल्वर में तेजी की संभावना तो बनी हुई है, लेकिन इसके पुराने रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने में अपेक्षाकृत अधिक समय लग सकता है। यही कारण है कि अधिकांश विशेषज्ञ इसमें धैर्यपूर्ण और चरणबद्ध निवेश की सलाह देते हैं।

सिल्वर उद्योग से जुड़े वैश्विक स्तर के विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान समय सिल्वर के लिए निराशाजनक नहीं, बल्कि संक्रमण का दौर है। उनके अनुसार बाजार में अस्थायी ठहराव अवश्य है, लेकिन दीर्घकालिक तस्वीर अभी भी मजबूत बनी हुई है। औद्योगिक मांग, विशेष रूप से सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, आने वाले वर्षों में सिल्वर की सबसे बड़ी ताकत बन सकते हैं। जानकारों का कहना है कि अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से भ्रमित होने की बजाय निवेशकों को बाजार के मूलभूत संकेतों पर ध्यान देना चाहिए। उनका मानना है कि सिल्वर में तेजी जरूर लौटेगी, लेकिन यह गोल्ड की तरह तेज और लगातार नहीं होगी। सिल्वर के बाजार अधिक अस्थिर है और इनमें निवेश के लिए धैर्य, अनुशासन तथा लंबी अवधि का दृष्टिकोण आवश्यक है। उद्योग को उम्मीद है कि जैसे-जैसे वैश्विक अर्थव्यवस्था गति पकड़ेगी, सिल्वर की चमक भी धीरे-धीरे लौटेगी।

हालांकि, सिल्वर आज केवल पारंपरिक निवेश या आभूषणों की धातु नहीं रही है, बल्कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण औद्योगिक धुरी बन चुकी है। भले ही गोल्ड की ताकत ज्यादा है, लेकिन अल्पकालिक उतार-चढ़ाव और वर्तमान स्थिरता के बावजूद सिल्वर की दीर्घकालिक संभावनाएं सकारात्मक बनी हुई हैं। भारत में त्योहारी मांग और वैश्विक स्तर पर हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा नई तकनीकों का विस्तार भविष्य में सिल्वर को नई मजबूती दे सकता है। हालांकि इसकी वापसी गोल्ड की तुलना में धीमी और अधिक उतार-चढ़ाव वाली हो सकती है, लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि धैर्य रखने वाले निवेशकों के लिए सिल्वर भविष्य में बेहतर अवसर प्रस्तुत कर सकती है। इसलिए सिल्वर को केवल आज की कीमतों से नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की औद्योगिक और निवेश संभावनाओं के दृष्टिकोण से देखना अधिक उचित होगा।

कल्पेश सुराणा
सुराणा सिल्वर

सिल्वर की मांग त्योहारी और विवाह सीजन में घरेलू बाजार में स्वाभाविक रूप से बढ़ती है। इस वर्ष भी व्यापारियों को अच्छे कारोबार की उम्मीद है। हालांकि सिल्वर की चाल गोल्ड की तुलना में अधिक अस्थिर है, लेकिन बाजार के संकेत बताते हैं कि आने वाले महीनों में कीमतों को मजबूत समर्थन मिल सकता है और धीरे-धीरे तेजी का माहौल बन सकता है।

अमन संघवी
अरिहंत 925 ज्वेलरी प्रा. लि.

लंबी अवधि में सिल्वर की संभावनाएं अभी भी सकारात्मक दिखाई देती हैं, क्योंकि सिल्वर का भविष्य केवल निवेशकों की खरीद पर निर्भर नहीं है। इसकी सबसे बड़ी ताकत औद्योगिक उपयोग है। इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर, मेडिकल उपकरण और सोलर सेक्टर में बढ़ती मांग आने वाले वर्षों में सिल्वर की कीमतों के लिए मजबूत आधार तैयार कर सकती है।

अनिल जैन
क्विन्स एंड किंग्ज

सिल्वर में फिलहाल धैर्य रखने की जरूरत है। बाजार में तेजी जरूर लौटेगी, लेकिन निश्चित रूप से इसकी रफ्तार गोल्ड जैसी नहीं होगी। जो खरीददार चरणबद्ध तरीके से निवेश करेंगे, उन्हें भविष्य में बेहतर लाभ मिल सकता है। मेरा मानना है कि वैश्विक औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि और निवेशकों का भरोसा सिल्वर की खोई हुई चमक जरूर वापस लाएगा।

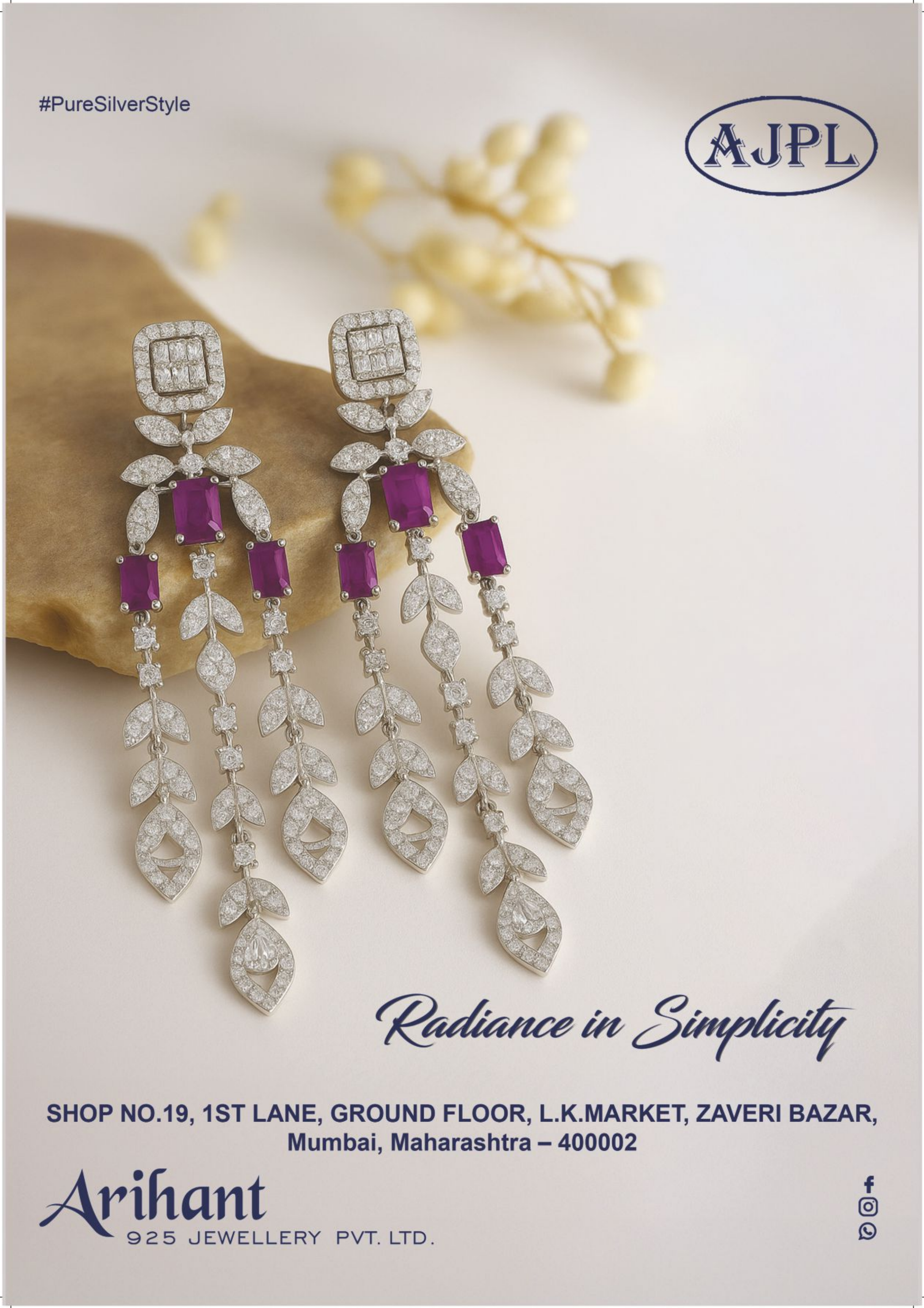
#PureSilverStyle
AJPL
Radiance in Simplicity
SHOP NO.19, 1ST LANE, GROUND FLOOR, L.K.MARKET, ZAVERI BAZAR,
Mumbai, Maharashtra – 400002
Arihant
925 JEWELLERY PVT. LTD.

आपके अटल विश्वास और अटूट प्रेम की डोर में बंधे है
हमारे नयनाभिरम्य स्वर्ण आभूषण

Sakariya Jewels

Specialist in : 916 Hallmark Gold Jewellery
& Certified Diamond Jewellery (Wholesale & Retail)

177/179, Laxmi House, Ground Floor
Near Cotton Exchange, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 6816, 4968 6425 | I.Com: 7285

Sakariya

JEWELLERS

WHOLESALE & RETAIL GOLD EXCLUSIVE JEWELLERY

177/179, Kalbadevi Road, Laxmi House, 1st Floor
Near Cotton Exchange, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 4800, 2240 4825 | Fax : 2240 1023, I.Com: 7283

M. V. Jain
93222 26413

Pravin M. Jain
98200 63687

Shree vardhaman JEWELLERS

MFG. & WHOLESALERS OF :
ALL TYPES OF MACHINE CHAINS & ORNAMENTS

8, 1st Floor, Ladiwala Chambers, 11-13, Shaikh Memon Street Mumbai - 400 002. INDIA.
Tel.: 022 2242 6010 / 022 2242 3989 98200 63687 • Email : shreevardhamanjew@gmail.com

नई सोच और नई उड़ान के साथ आगे बढ़ रही युवा ज्वेलर्स की पीढ़ी

आभूषण टाइम्स के विशेषांक का भव्य विमोचन, उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियों का किया सम्मान

मुंबई। भारतीय ज्वेलरी उद्योग में नई पीढ़ी के बढ़ते प्रभाव और बदलती कारोबारी सोच को समर्पित देश की प्रतिष्ठित ज्वेलरी पत्रिका आभूषण टाइम्स के विशेषांक नई सोच, नई उड़ान - युवा पीढ़ी के ज्वेलर्स, इंडस्ट्री का भविष्य का मुंबई के ऐतिहासिक जवेरी बाजार स्थित इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के सभागार में भव्य विमोचन किया गया। इस अवसर पर देशभर से आए ज्वेलरी उद्योग के प्रमुख उद्यमियों, संगठनों के पदाधिकारियों तथा युवा ज्वेलर्स की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के पूर्व चेयरमैन संयम मेहरा ने विशेषांक का विमोचन करते हुए कहा कि भारतीय ज्वेलरी उद्योग आज परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और इस परिवर्तन की सबसे बड़ी ताकत नई पीढ़ी है। उन्होंने कहा कि युवा उद्यमी आधुनिक तकनीक, डिजिटल मार्केटिंग, डिज़ाइन इनोवेशन और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने आभूषण टाइम्स की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे विशेषांक और सम्मान समारोह युवाओं का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ पूरे उद्योग को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं।

द जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) के वेस्टर्न रीजन की चेयरपर्सन खुशबू राणावत ने कहा कि ज्वेलरी व्यवसाय में उपभोक्ताओं की पसंद, तकनीक और बाजार की कार्यशैली तेजी से बदल रही है। नई पीढ़ी इन परिवर्तनों को न केवल स्वीकार कर रही है, बल्कि उन्हें अपने व्यवसाय की ताकत भी बना रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन उद्योग में नवाचार और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हैं तथा युवा उद्यमियों को आगे बढ़ने की नई प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर आभूषण टाइम्स द्वारा ज्वेलरी उद्योग में उल्लेखनीय कार्य कर रही युवा पीढ़ी का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। सम्मानित होने वालों में खुशबू राणावत - स्वर्णशिल्प, विराज थडेश्वर - श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र, स्नेह सुरेश जैन - रॉयल चेन्स, राहुल मेहता - सिल्वर एम्पोरियम, दिपक सेठ - एसके सेठ ज्वेलर्स(मोहनलाल सेठ), पियुष सोनी - शिल्पी ज्वेल्स, शुभम बापना - श्री तरू ज्वेल्स, यश खोंटेड - राज ज्वेलर्स ग्लोबल प्रा. लि., किरण शाह - अंसा ज्वेलर्स, चिंतन सोलंकी - संगम हाऊस, राज कोठारी - मास्टर चेन्स एण्ड ज्वेल्स, अंश जैन - वि चेन्स, भाविक साकरिया - इलिजा डायमंड, मोनिल जैन - जुगराज कांतिलाल, अंकित बिरावत - चेन एन चेन्स, अक्रांत कोठारी - आर कोठारी, अंकित मेहरा - युनिक चेन्स जैसे युवा प्रमुख थे। सभी ने अपने विचार साझा करते हुए आभूषण टाइम्स के इस पहल को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट महेश बाफना, जीजेसी के डायरेक्टर साहिल मेहरा, यूनिक चेन्स के प्रेम मेहरा, चैन कॉर्नर के प्रकाश काग्रेचा, विनायक एक्सपोर्ट के दिनेश जैन, स्काई चैन के अनिल पामेचा, मंगलमणि के जुगराज बोहरा, साकरिया ज्वेलर्स के प्रवीण साकरिया, संगम चेन्स के रमण सोलंकी सहित ज्वेलरी उद्योग से जुड़े अनेक प्रतिष्ठित उद्यमी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आभूषण टाइम्स के प्रधान संपादक सिद्धराज लोढ़ा ने कहा कि आज का युवा ज्वेलर केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि वह ब्रांड निर्माण, गुणवत्ता, पारदर्शिता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्वेलरी उद्योग का भविष्य इन्हीं युवा हाथों में सुरक्षित है। इब्जा के डायरेक्टर कांतिलाल पी शाह (अंसा ज्वेलर्स) ने अपने लंबे व्यावसायिक अनुभव साझा करते हुए युवाओं से परंपरा और आधुनिकता के संतुलन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ईमानदारी, विश्वास और गुणवत्ता ही इस व्यवसाय की सबसे बड़ी पूंजी है। बुलियन बिजनेस से जुड़े राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार ने कहा कि समय के साथ केवल बाजार ही नहीं बदलता, बल्कि व्यापार की प्रकृति, ग्राहकों की अपेक्षाएं और काम करने के तरीके भी बदलते हैं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी इन बदलावों को तेजी से समझ रही है और आधुनिक सोच के साथ अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जा रही है। यही दृष्टिकोण भारतीय ज्वेलरी उद्योग को भविष्य में और अधिक सशक्त बनाएगा।

कार्यक्रम के अंत में आभूषण टाइम्स के संपादक राकेश लोढ़ा ने सभी अतिथियों एवं युवा ज्वेलर्स का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आभूषण टाइम्स हमेशा ज्वेलरी उद्योग की सकारात्मक पहल और नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करता रहा है तथा भविष्य में भी युवा उद्यमियों का सहयोगी और मार्गदर्शक बनने का प्रयास जारी रहेगा। समारोह के दौरान आभूषण टाइम्स को भारतीय ज्वेलरी ट्रेड की अग्रणी और विश्वसनीय पत्रिका बताते हुए उसकी उद्योग हित में निभाई जा रही सक्रिय भूमिका की भी मुक्तकंठ से सराहना की गई।

carron

ready made garments

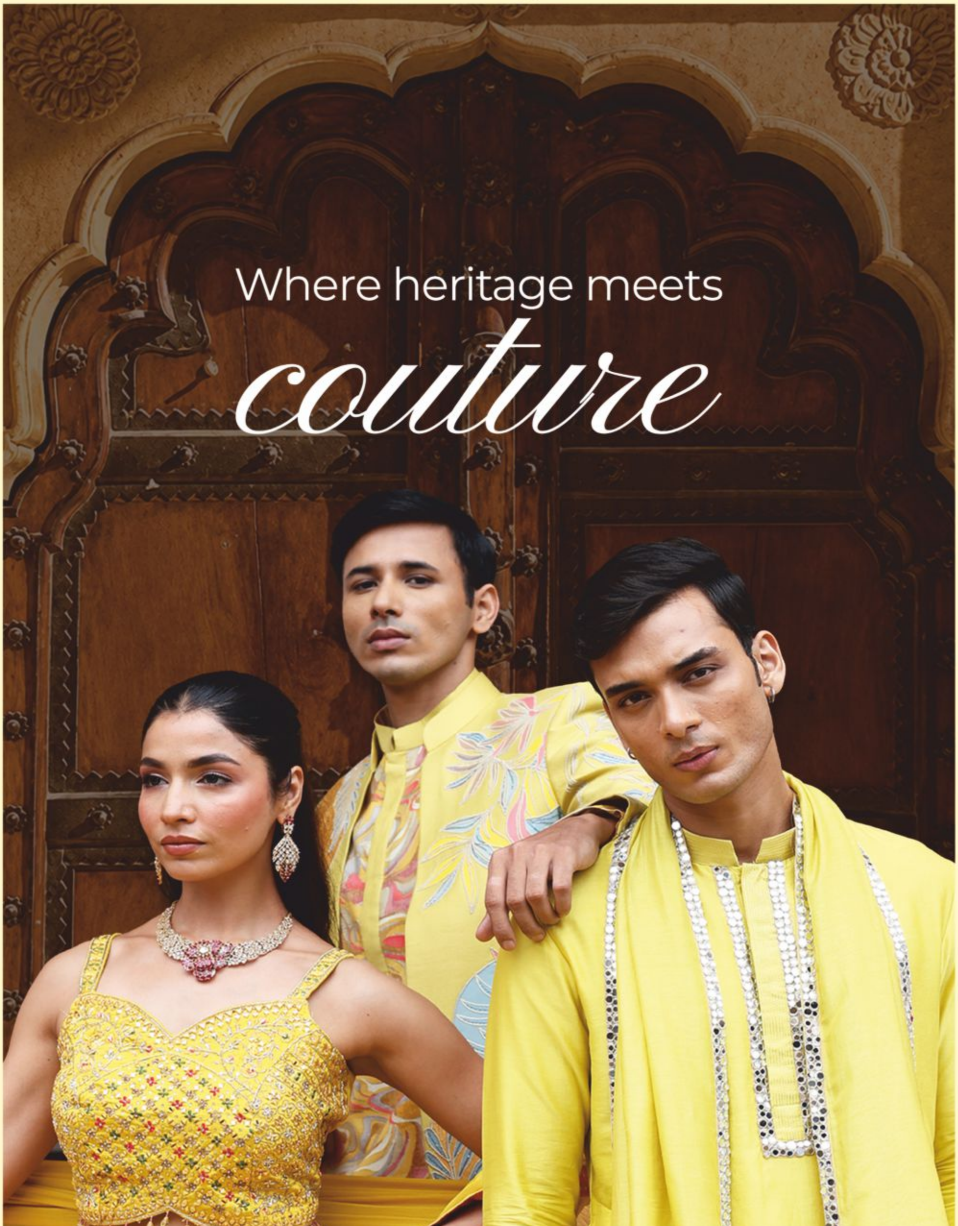

KALBADEVI | KEMPS CORNER

CONTACT: +91 88664 35435

INSTAGRAM

FACEBOOK

ROYAL CHAIN LIMITED

#HameshaKeLiyeRoyal

Kolkatta | Dubai | Chennai | Thrissur

1st Floor, Royal House, Khara Kuwa, 127/129,
Shaikh Menon Street, Zaveri Bazaar, Mumbai, Maharashtra - 400 002

18kt. Department: +91 88797 76580 **22kt. Department:** +91 897690 20737

022 2311 9999 royalchainsgroup.com Royal Chain Limited Royal Chain Limited

SAMRUDDHI
JEWELCRAFT
Crafting Happiness
samruddhijewelcraft@gmail.com
Dinesh Jain +91 9320670627
Nikhil Jain +91 9819603187
A/1402, Aditya Pearl, Ramwadi,
Kalbadevi Road, Mumbai-400002

ml kanhaiyalal JEWELS
Manufacturer of Plain Gold Jewellery
RA ramasha Gems and Jewels LLP
Manufacturer of Diamond Jewellery
MANISH SONI +91 98207 76844
Ramjivanlal Soni
AMIT SONI +91 98207 70094
A-1401, Aaditya Pearl, 14th Floor, P H Purohit Lane, Cavel 1st X Lane, Ramwadi, Kalbadevi, Mumbai-400 002.
84620 09009 | 2201 1313 / 2201 1312
mlkjewels2015@gmail.com | ramashajewels @gmail.com
Follow us on : ramashajewels/
WE HAVE NO OTHER BRANCHES

If undelivered Return to : 407, Kalbadevi Road, Daulat Bhavan, Office No. 203, 2nd Floor, Mumbai-400 002

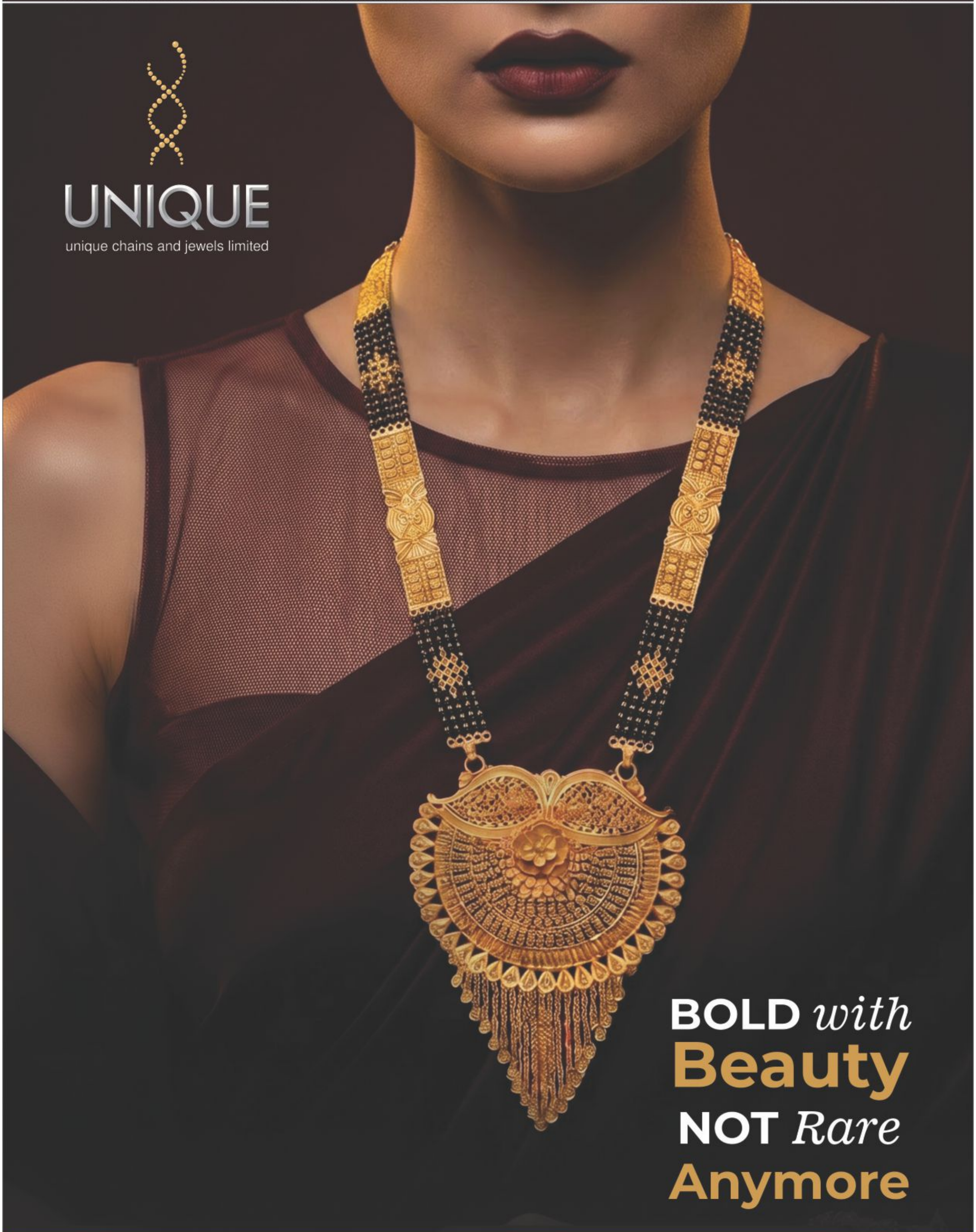

REG. OFFICE: FLOOR ENTIRE-2ND, PLOT 115/121, BULLION HOUSE, MUMBADEVI ROAD, TAMBAKATA, MUMBAI-400003, MAHARASHTRA

CONTACT NO. 9324086538 / 8291813279

BRANCHES: DELHI | KOLKATA